वैशाख कृष्ण पक्ष- 7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 273 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

09 अप्रैल 2026 गुरुवार

आज का मौसम

33.2 अधिकतम

22.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कोलकाता-लखनऊ, समय : दोप. 7.30 बजे

न्यूज विंडो

बाघ को जंगल दिखेगा तभी रास्ता पार करेगा: हाईकोर्ट

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने बैतूल-भोपाल फोरलेन प्रोजेक्ट का तहत केसला-भौंरा-बरेठा के जंगल में चल रहे सड़क निर्माण के मामले पर असंतोष व्यक्त किया है। कोर्ट ने कहा कि सड़क के नीचे से टाइगर के लिए रास्ता बना रहे हैं, वह पूरी तरह अनुचित है। टाइगर का स्वभाव है कि उसे सामने जंगल दिखेगा, तभी वह रास्ता पार करेगा। जिस तरह से उसके जाने के लिए संकरा रास्ता बना रहे हैं, उससे वह कभी नहीं गुजरेगा और कभी भी रोड पर आएगा। इससे टाइगर के साथ लोगों की जान को भी खतरा रहेगा। कोर्ट ने कहा कि जब 19.5 किमी के जंगल में से 10.5 किमी का हिस्सा ऊपर से ले जाने की सिफारिश पहले से की जा चुकी है, तो उसका पालन क्यों नहीं किया जा रहा है।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- राघव चड्ढा देश का एसेट

मोहाली। आम आदमी पार्टी और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के विवाद में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की भी एंट्री हो गई है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में राघव को देश का एसेट बताया। शंकराचार्य ने कहा कि राघव के मामले में आम आदमी पार्टी अपना नुकसान कर रही है। शंकराचार्य ने कहा- राजनीतिक गणित अलग होता है। कई लोग तो कह रहे हैं कि उनका राजनीतिक कद बढ़ने लगा था, जो आगे चलकर लीडर के लिए दिक्कत पैदा करता। राघव का कद अब सिर्फ पार्टी नहीं, बल्कि खुद के चलते बड़ा हो गया है। पार्टी ने राघव को कुछ दिन पहले ही राज्यसभा के उपनेता पद से हटाया है।

केजरीवाल की स्वर्णकांता के खिलाफ याचिका का विरोध

नईदिल्ली। कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दिए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच से केस को ट्रांसफर कराना चाहते हैं। इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया की ओर से दलील रखे जाने के बाद सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने भी हलफनामा दायर करके केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और चार अन्य की याचिका का विरोध किया है। सीबीआई ने अपने जवाब में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ चल रहे केस का भी उदाहरण दिया है।

सांप वाली टिप्पणी ने भड़काई सांप्रदायिक आग

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ की गई 'जहरीला सांप' वाली टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है। नवीन ने कहा कि खरगे के ये बयान सांप्रदायिक आधार पर लोगों को भड़काने के उद्देश्य से दिए गए हैं और यह उनकी ओछी मानसिकता को दर्शाता है।

आज का कार्टून

इजराइल के ताबड़तोड़ हमले... कहा -हिजबुल्लाह पर अटैक के लिए लागू नहीं समझौता

ऐसा युद्ध विराम! लहूलुहान हुआ लेबनान... एक दिन में 254 की मौत, ईरान बोला- यह सीजफायर मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते का सीजफायर हुआ है, लेकिन इजराइल अपने रुख पर कायम है। युद्धविराम के एलान के बाद लेबनान में इजराइल ने ताबड़तोड़ हमले किए हैं जिससे वहां एक ही दिन में 254 लोगों की मौत हो गई जबकि 1165 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने है कहा कि अमेरिका को तय करना होगा कि वह सीजफायर लागू करता है या इजराइल के जरिए जंग जारी रखता है, क्योंकि दोनों साथ नहीं चल सकते।

इजराइली सेना ने बुधवार को लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। हमले बेरूत, बेक्का वैली, माउंट लेबनान, सैदोन और दक्षिण लेबनान के कई गांवों में किए गए। इजराइली सेना ने कहा कि यह हमला 2 मार्च से शुरू किए गए उनके नए सैन्य ऑपरेशन के बाद लेबनान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला था। सेना के मुताबिक, इसमें हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा कमांड सेंटर और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान, अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है। वहीं, मध्यस्थ पाकिस्तान का कहना है कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी कह दिया है कि लेबनान इस समझौते से अलग है। हमले के बाद लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने कहा कि वे देश के सभी राजनीतिक और कूटनीतिक संसाधनों को जुटाकर इजराइली हमलों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री रकान नासेरद्दीन ने अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की है। बड़ी संख्या में घायलों के इलाज से स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव है।

100 से ज्यादा कमांड सेंटर और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

ट्रंप की धमकी - होर्मुज नहीं खुला तो फिर गोलीबारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को एक नई धमकी दी है। ट्रंप का कहना है कि अगर ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोलता है और परमाणु हथियार न रखने का वादा नहीं करता है तो गोलीबारी शुरू हो जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने लिखा, अमेरिका के सभी जहाज, विमान और सैन्य कर्मी ईरान के अंदर और उसके आस-पास तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि हुई असली सहमति का पूरी तरह से पालन नहीं हो जाता।

ईरान के प्लान को कूड़ेदान में फेंका अब नए प्रस्ताव पर चर्चा - अमेरिका

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान ने होर्मुज जलसंधि को खुला रखने पर सहमति दे दी है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम रास्ता है। लेविट ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को एक नया प्रस्ताव दिया है, जिसे बातचीत के लिए ठोस आधार माना गया है। इससे पहले ईरान ने 10 बिंदुओं का एक प्लान दिया था, लेकिन उसे पूरी तरह खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव इतना कमजोर था कि डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम ने उसे कूड़ेदान में फेंक दिया। लेविट के अनुसार अब ईरान ने संशोधित प्रस्ताव पेश किया है, जिसे अमेरिका ने बातचीत के लिए स्वीकार कर लिया है। यह नया प्लान अमेरिका के 15 बिंदुओं वाले प्रस्ताव के साथ मिलाकर आगे बढ़ाया जाएगा।

ईरान का प्रतिनिधिमंडल आज रात पाकिस्तान के इस्लामाबाद जाएगा

ईरान का एक प्रतिनिधिमंडल आज रात पाकिस्तान के इस्लामाबाद के लिए रवाना होगा। यह दौराशांति प्रस्ताव पर बातचीत के लिए किया जा रहा है। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रेजा अमीरी मोगद्दम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल इ-स्लामाबाद पहुंचकर प्रस्तावित शांति योजना पर चर्चा करेगा। मोगद्दम ने कहा कि ईरान के भीतर इस कूटनीतिक पहल को लेकर कुछ संदेह हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इजराइली सरकार इस पहल को 卐सैबोटाज卐 करने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद ईरान ने बातचीत की प्रक्रिया जारी रखने का फैसला किया और प्रतिनिधिमंडल को पाकिस्तान भेजा जा रहा है।

भारतीय जहाजों के लिए खास योजना

भारत ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे अपने जहाजों और नाविकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए 18 जहाजों की प्राथमिकता निकासी सूची तैयार की गई है। इनमें पांच इंडियन फ्लैग वाले जहाज हैं, जबकि बाकी विदेशी ध्वज वाले हैं, जिनपर भारतीय चालक दल कार्यरत हैं। होर्मुज स्ट्रेट से फंसे हुए जहाजों को लाने के लिए अमेरिका-इजरायल के साथ ही ईरान का साथ भी जरूरी है। इसके तहत प्लान के तहत स्पेशल ऑपरेशन चलाए जाने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20,000 भारतीय नाविक इस समय फारस की खाड़ी क्षेत्र में विभिन्न जहाजों पर तैनात हैं और मौजूदा हालात के चलते जोखिम में हैं।

सबरीमाला मंदिर विवाद

तर्क - महिलाओं को निचले स्तर पर रखा

नई दिल्ली, एजेंसी

केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर चल रहे विवाद पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत में दलील दी कि 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित था कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाओं को निचले स्तर पर रखा गया।

केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह मामला किसी एक लिंग के पक्ष या विपक्ष का नहीं है, बल्कि धार्मिक परंपराओं और आस्थाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि देश में ऐसे कई मंदिर हैं जहां पुरुषों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध है या उन्हें विशेष परंपराओं का पालन करना पड़ता है।

2018 तक बड़ा फैसला

गौरतलब है कि सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को असंवैधानिक करार दिया था। हालांकि, 2019 में इस मुद्दे को बड़ी संविधान पीठ के पास भेज दिया गया, ताकि धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के अधिकार जैसे व्यापक सवालों पर अंतिम निर्णय लिया जा सके।

बंगाल में पीएम ने दी छह गारंटी, बीजेपी का नया नारा

सबका साथ, सबका विकास और लुटेरों का हिसाब: मोदी

कोलकाता, एजेंसी

पीएम मोदी ने कहा कि यह चुनाव सामान्य नहीं, बल्कि बंगाल के गौरव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है। पीएम ने कहा कि बंगाल की जनता इस बार के चुनाव में ममता सरकार को हटाने वाली है। यह चुनाव विकसित बंगाल की मजबूत नींव रखने का चुनाव है और इसका पहला तथा सबसे अहम कदम इस निर्दयी सरकार को सत्ता से बाहर करना होगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर राज्य के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर जोरदार निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि हम सबका साथ और सबका विकास चाहते हैं, लेकिन साथ ही लुटेरों का हिसाब भी करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री ने भाजपा सरकार की कुछ गारंटियों का जिक्र किया। इनमें भय की जगह भरोसा कायम करना। भ्रष्टाचार करने वालों को जेल भेजना। भ्रष्टाचार और अपराध की फाइलें खोलना और कानून से सबका हिसाब करना शामिल हैं।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में अव्यवस्था

स्लॉट बुकिंग में दिक्कत, सस्ते दाम पर फसल बेचना मजबूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

समर्थन मूल्य पर गेहूं की सरकारी खरीदी का आज पहला दिन है लेकिन इसके लिए स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था किसानों के लिए जी का जंजाल बन गई है। सर्वर डाउन होने और ओटीपी नहीं मिलने की वजह से किसानों के स्लॉट बुक नहीं हो पा रहे हैं। हालत यह है कि कियोस्क सेंटर पर स्लॉट बुक करने के लिए सुबह से किसान लाइन लगा रहे हैं। लेकिन, बुधवार शाम तक भी लोगों को स्लॉट बुकिंग करने का मौका नहीं मिल पाया। ऐसे में वे स्लॉट बुकिंग के गेहूं खरीदे जाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे किसानों की भी बड़ी संख्या है जो इंतज़ार करने की स्थिति में नहीं हैं और मजबूरी में खुले बाजार में सस्ते दामों पर फसल बेच रहे हैं।

मध्य प्रदेश में शासकीय गेहूं खरीदी की तारीख सरकार ने बार - बार बढ़ाई है जिससे किसान नाराज और परेशान है। मुख्यमंत्री द्वारा 9 अप्रैल से गेहूं खरीदी किए जाने की घोषणा की गई थी। जिसके बाद उपार्जन केंद्रों पर गेहूं बेचने के लिए स्लॉट बुकिंग शुरू होना थी। लेकिन स्लॉट बुक करने में अधिकांश

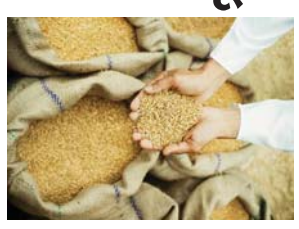

किसानों को निराशा ही हाथ लगी है। कृषि एवं खाद्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इसे सर्वर में आ रही तकनीकी समस्या बता रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पहले 16 मार्च से और फिर 1 अप्रैल से खरीदी की घोषणा की गई थी। जिसे बाद में 9 अप्रैल तक बढ़ाया गया। और अब खरीदी मुख्य रूप से 10-15 अप्रैल से शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। किसान की परेशानी यह है कि बारदाने (जूट के बोरे) की कमी के कारण खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्था है, जिससे वे औने-पौने दाम में व्यापारियों को फसल बेचने को मजबूर हैं। खरीदी में देरी होने से 31 मार्च तक बैंक ऋण न जमा कर पाने के कारण हजारों किसान डिफॉल्टर होने की कगार पर हैं। उन्हें बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से फसल खराब होने का डर भी सता रहा है।

तीन राज्यों में चुनाव, जारी है वोटिंग

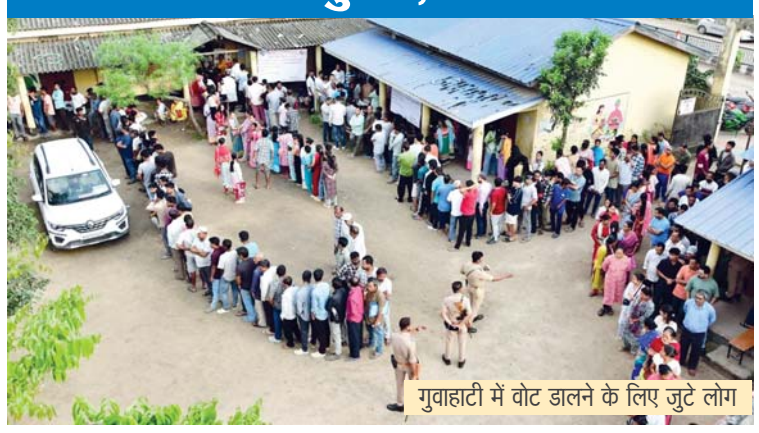

गुवाहाटी में वोट डालने के लिए जुटे लोग

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। दोपहर 12 बजे तक असर में करीब 39 प्रतिशत, केरलम में 33 और पुडुचेरी में 37 फीसदी मतदान होने की खबर है। पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने भी सुबह ही मतदान किया। असम के सीएम हिमंता ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। - विस्तृत पेज 8

कांग्रेस अध्यक्ष बोले

वंदे मातरम नहीं गाना तो कार्यक्रम में ना आएं

इंदौर। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने कहा है कि अब कांग्रेस की हर मीटिंग की शुरुआत में वंदे मातरम होगा। जिन्हें वंदे मातरम नहीं गाना हो वह कांग्रेस की मीटिंग में नहीं आएं। उन्होंने एक बयान में कहा कि देश में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के रूप में वंदे मातरम और जन गण मन को अपनाने का काम कांग्रेस के द्वारा किया गया था। देश की आजादी के पहले कांग्रेस के हर सम्मेलन में वंदे मातरम का गान होता था। उन्होंने कहा कि यदि कोई कहता है कि उन्हें वंदे मातरम गाने समस्या है तो उन्हें मीटिंग में आने की आवश्यकता नहीं है।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम की मीटिंग में इस मुद्दे पर विवाद खड़ा हुआ था।

मेट्रो एंकर कटनी के सरकारी कॉलेज में पढ़ा रही डॉ. प्रीति साकेत की याचिका पर हाईकोर्ट का अहम् फैसला

गेस्ट फैकल्टी को भी मातृत्व अवकाश लेने का अधिकार, मिलेगा पूरा वेतन

जबलपुर, एजेंसी

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला देते हुए कहा है कि शिक्षण कार्य में लगी महिला गेस्ट फैकल्टी को मातृत्व अवकाश के दौरान वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के पक्ष में निर्णय देते हुए 26 सप्ताह का सवैतनिक अवकाश देने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विशाल धगट की एकल पीठ ने मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1961 के प्रावधानों का हवाला देते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि महिला कर्मचारी को मातृत्व अवकाश के दौरान वेतन का अधिकार है।

कटनी के शासकीय तिलक पीजी कॉलेज में गेस्ट फैकल्टी के पद पर कार्यरत डॉ प्रीति साकेत की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, अधिवक्ता हितेंद्र गोल्हानी और काजल विश्वकर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता को पहले 6 महीने का मातृत्व अवकाश वेतन सहित स्वीकृत किया गया था। 16 जून 2023 को कॉलेज प्रशासन ने आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि अवकाश अवधि में कोई मानदेय नहीं दिया जाएगा।

इस संशोधित आदेश को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत हर महिला कर्मचारी को मातृत्व अवकाश के दौरान वेतन पाने का अधिकार है। प्रशासन द्वारा आदेश में संशोधन कर मानदेय रोकना कानून के खिलाफ है और महिला कर्मचारी के अधिकारों का उल्लंघन है। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि याचिकाकर्ता को उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण प्रताड़ित किया जा रहा है। कोर्ट ने पाया कि यह आदेश न केवल कानून के विपरीत है, बल्कि महिला के मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन करता है।

गरिमा और सामजिक सुरक्षा

राज्य की ओर से कहा गया कि गेस्ट फैकल्टी एक अस्थायी नियुक्ति होती है। संबंधित शासकीय सर्कुलर के अनुसार उन्हें मानदेय देने का प्रावधान नहीं है, इसलिए पहले के आदेश में संशोधन किया गया। सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने महिला कर्मचारी के अधिकारों को प्राथमिकता देते हुए याचिकाकर्ता को 26 सप्ताह का सवैतनिक मातृत्व अवकाश देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मातृत्व अवकाश के लिए 12 माह में 80 दिन कार्य की शर्त राज्य सरकार के संस्थानों में लागू नहीं होगी। संविधान के अनुच्छेद 38, 39 और 39 का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने कहा कि राज्य का कर्तव्य है, कि वह महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करे। इस फैसले का प्रभाव केवल एक याचिकाकर्ता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रदेशभर की हजारों महिला अतिथि विद्वानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा और वे बिना किसी शर्त के सवेतन मातृत्व अवकाश प्राप्त कर सकेंगी।

अधूरी सड़क निर्माण से बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था, वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

अरेरा कॉलोनी स्थित ओल्ड चैंपियन मैदान के सामने चल रहे सड़क निर्माण कार्य ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आधी-अधूरी सड़क और अव्यवस्थित निर्माण के कारण इस क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे रोजाना जाम की स्थिति बन रही है। सड़क का कुछ हिस्सा बना है तो कुछ हिस्सा पूरी तरह उखड़ा हुआ पड़ा है, जिसके चलते वाहन चलाना जोखिम भरा हो गया है। खासकर सुबह और शाम के समय यहां भारी ट्रैफिक देखने को मिल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान न तो उचित डायवर्जन की व्यवस्था की गई है और न ही चेतावनी संकेत लगाए गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि संबंधित विभाग द्वारा काम में लापरवाही बरती जा रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य पूरा कराया जाए और ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में यह परेशानी और भी गंभीर रूप ले सकती है।

उपभोक्ताओं को गैस एजेंसी से लौटाया जा रहा खाली हाथ

गैस एजेंसियों के संचालकों की मनमर्जी बुकिंग करने के 10 दिन बाद भी परेशानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति व्यवस्था को खुद एजेंसी संचालक ही बिगाड़ने में लगे हुए हैं। इंडेन के घरेलू उपभोक्ताओं के द्वारा समय पर बुकिंग करने के बाद भी उन्हें सिलिंडर नहीं मिल रहा है, जिससे वह एजेंसी पर कतार में लगने को मजबूर हैं। जब उपभोक्ताओं ने पता किया तो उनके द्वारा बुकिंग का सिलिंडर तो आपूर्ति कर दिया गया है लेकिन उनको नहीं मिला है। उपभोक्ता करीब 10 से 15 दिन से परेशान हो रहे हैं लेकिन सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के नाम से खाद्य शाखा में ज्ञापन देते हुए शिकायत दर्ज करवाई है।

शिकायत पर खाद्य विभाग की टीम ने हैप्पी गैस एजेंसी पर छापामार कार्रवाई करते हुए प्रकरण बनाया है। जानकारी के अनुसार जिले में घरेलू गैस सिलिंडर के करीब साढ़े पांच लाख उपभोक्ता हैं और इनको 40 से अधिक गैस एजेंसियों के द्वारा आपूर्ति की जाती है। इनमें सबसे अधिक एजेंसी 26

इंडेन की हैं और दो लाख से अधिक उपभोक्ता भी इंडेन के हैं।

ऐसे में सबसे अधिक बुकिंग प्रतिदिन आठ हजार इंडेन उपभोक्ताओं के द्वारा की जाती हैं और आपूर्ति करीब छह हजार की जा रही है। इसके बाद भी इंडेन के उपभोक्ता परेशान चल रहे हैं उनको बुकिंग के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल रहा है और वह परेशान होकर एजेंसी पर पहुंचकर मशक्कत कर रहे हैं। ऐसा ही हाल करोंद के जेल रोड स्थित हैप्पी इंडेन गैस एजेंसी का बना हुआ है, यहां पर उपभोक्ताओं को सिलिंडर नहीं मिले हैं। इससे वह परेशान होकर बुधवार को एजेंसी पर पहुंचे तो पता चला कि उनके नाम का सिलिंडर आपूर्ति हो गया है। यह सुनते ही वह हैरान हो गए और संचालक से जवाब मांगा तो वह कुछ नहीं बता पाया। इससे उन्होंने कलेक्ट्रेट में शिकायत दर्ज करवाई है। उपभोक्ता नीरज पचौरी, धीरज लोधी सहित अन्य ने शिकायत करते हुए बताया कि हैप्पी इंडेन गैस एजेंसी पर बुकिंग की थी लेकिन अब तक सिलिंडर नहीं मिला है। जब एजेंसी पर पहुंचे तो मना करते हुए बताया कि सिलिंडर आपूर्ति कर दिया गया है, जबकि उनको सिलिंडर मिला ही नहीं है। ऐसे में उपभोक्ताओं का आरोप है कि उनके नाम का सिलिंडर कालाबाजारी कर बेचा जा रहा है और मोटी रकम वसूली जा रही है। ऐसे में जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

पहली बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को नहीं मिले सिलिंडर

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तृणाल जंभोलकर व सुनील वर्मा ने टीम सहित हैप्पी इंडेन गैस एजेंसी का निरीक्षण व जांच की तो पता चला कि प्रतिदिन 550 से 1100 सिलिंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इसके बदले में करीब 600 सिलिंडरों की आपूर्ति की जा रही है। जब टीम ने रिकॉर्ड देखा तो पता चला कि जिन उपभोक्ताओं ने पहले बुकिंग की थी, उनको सिलिंडर नहीं मिला है। जबकि ऐसे उपभोक्ता जिन्होंने बाद में बुकिंग की थी उनको सिलिंडर की आपूर्ति की गई है। इस पर संचालक ने सफाई दी कि सर्वर की गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ है। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि जिले में सिलिंडरों की आपूर्ति नियमानुसार किए जाने के निर्देश सभी गैस एजेंसी संचालकों को दिए गए हैं। यदि उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद सिलिंडर नहीं दिए जा रहे हैं तो एजेंसी संचालक पर कार्रवाई की जाएगी। हैप्पी इंडेन की शिकायत मिली थी, टीम को भेजकर जांच करवाई गई है। जिसके आधार पर प्रकरण बनाया गया।

रेल यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी
भोपाल से गुजरने वाली 8 ट्रेनें रद्द

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट वर्क के कारण भोपाल से चलने और गुजरने वाली आठ प्रमुख ट्रेनों के नियत फेरे कैंसिल रहेंगे।

नागपुर मंडल में गोंदिया स्टेशन पर ट्रैक सुधार और जयपुर मंडल के कनकपुरा स्टेशन पर यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते यह निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों के अचानक रद्द रहने से करीब 15 हजार से अधिक यात्रियों के प्रभावित होने का अनुमान है। असुविधा से बचने के लिए यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति आधिकारिक वेबसाइट पर आवश्यक रूप से चेक करने की सलाह दी गई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में गोंदिया स्टेशन पर लाइन नंबर-5 के वॉशेबल एप्रन को हटाकर उसे बैलेस्टेड ट्रैक में बदला जाएगा। इस काम के लिए 24 अप्रैल तक मुख्य लाइन पर लगभग 20 दिनों का ब्लॉक लिया गया है। इस कारण भोपाल मंडल होकर गुजरने वाली छह ट्रेनों के कई फेरे रद्द रहेंगे।

इन ट्रेनों के फेरे रहेंगे कैंसिल (अप्रैल-मई शेड्यूल)

18238 अमृतसर-बिलासपुर एक्सप्रेस- अमृतसर से 7 अप्रैल से 27 अप्रैल तक कैंसिल रहेगी।

12410 हजरत निजामुद्दीन-रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस- 7, 8, 9, 11, 13, 14, 15, 16, 18, 20, 21 और 22 अप्रैल को कैंसिल रहेगी।

12409 रायगढ़-हजरत निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस- 8, 9, 10, 11, 13, 15, 16, 17, 18, 20, 22, 23 और 24 अप्रैल को कैंसिल रहेगी।

12807 विशाखापट्टनम-हजरत निजामुद्दीन समता एक्सप्रेस- 7, 8, 9, 11, 12, 14, 15, 16, 18, 19, 21, 22,23 अप्रैल को कैंसिल रहेगी।

18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस- कोरबा से 7 अप्रैल से 25 अप्रैल तक कैंसिल रहेगी।

12808 हजरत निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम समता एक्सप्रेस- 7, 9, 10, 11, 13, 14, 16, 17, 18, 20, 21, 23, 24 और 25 अप्रैल को कैंसिल रहेगी।

14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस- भोपाल से 3, 4, 5, 8, 12, 13 और 14 मई को कैंसिल रहेगी।

14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस- जोधपुर से 2, 3, 4, 7, 11, 12 और 13 मई को कैंसिल रहेगी।

सिंधु भवन ट्रस्ट का चेट्रीचंडु महोत्स

समाज के सम्पन्न लोग जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए- सबनानी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट द्वारा भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के अवसर पर चेट्रीचंडु महोत्सव एवं अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी ने कहा कि समाज की एकजुटता और कुशल नेतृत्व ही लोकतंत्र में समाज की बात को मजबूती प्रदान करता है। समारोह के मुख्य अतिथि विश्व समाजसेवी दिलीप लखी (मुंबई) थे, जिन्होंने बद्रीनाथ, सोमनाथ और द्वारका जैसे तीर्थों के लिए अब तक भारी मात्रा में सोना दान किया है। कार्यक्रम में दिलीप लखी और इंदौर सांसद शंकर लालवानी को समाज के सर्वोच्च सम्मान सिंधु रत्न से विभूषित किया गया। कोषाध्यक्ष अनिल चुघ ने अतिथियों का परिचय दिया, वहीं संस्थापक ट्रस्टी ईश्वर झामनानी ने दिलीप लखी के सेवा कार्यों को समाज के लिए प्रेरणा बताया। सांसद शंकर लालवानी ने समाज की विभिन्न संस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर एक मत होने का आह्वान किया। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि समाज के समृद्ध वर्ग को पिछड़ी महिलाओं और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। महासचिव हरीश ज्ञानचंदानी ने ट्रस्ट द्वारा संचालित स्वास्थ्य शिविरों और सनातनी सिंधी मैट्रिमोनी ऐप जैसी सेवाओं पर प्रकाश डाला।

स्वस्थ जीवन जीने की कला दूसरों को भी सिखाएं- सिद्धभाऊ

संतनगर। संत हिरदाराम नेचुरोपैथी हॉस्पिटल (आरोग्य केंद्र), संतनगर में आयोजित 10 दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। इस 168वें शिविर में देश के 9 राज्यों से आए 78 साधकों ने भाग लिया। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय तेवानी ने बताया कि साधकों ने योग, प्राकृतिक आहार और यौगिक क्रियाओं के माध्यम से अपनी जीवनशैली में सुधार किया। समारोह में संतजी के शिष्य सिद्ध भाऊ ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया है। उन्होंने समाज को प्रेरित किया कि वे स्वस्थ जीवन जीने की कला दूसरों को भी सिखाएं। उन्होंने छात्राओं को प्राकृतिक चिकित्सा में कॅरियर बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। शिविर के दौरान कई मरीजों को डायबिटीज, मोटापा, थायराइड और घुटनों के दर्द में चमत्कारिक लाभ मिला। डॉ. लता तेवानी ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। संस्था ने घोषणा की है कि अगला 10 दिवसीय शिविर 10 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

सेज गोलीकांड : गोली मारने वाला छात्र अब भी है फरार

पनाहगार समेत तीन आरोपित गिरफ्तार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सेज यूनिवर्सिटी कैंपस के पास सेज सन सिटी कालोनी में हुए गोलीकांड के मामले में कटाराहिल्स पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें गोलीकांड के मुख्य आरोपित सुधांशु सिंह के साथ घटना में मौजूद रहे दो दोस्त और फिर गोलीकांड के बाद आरोपित को पनाह देने वाले एक अन्य छात्र को पुलिस ने पकड़ा है।

वहीं घटना के बाद से मुख्य आरोपित सुधांशु फरार है। उसकी तलाशी में पुलिस की अलग-अलग टीमें कोटा, राजस्थान और शहडोल में सर्चिंग कर रही हैं। पुलिस के अनुसार मल्टी में रहने वाले सेज यूनिवर्सिटी के छात्र अनिकेत शर्मा और ओम तिवारी के रूम में पार्टी चल रही थी। इस दौरान शोर-शराबे को लेकर जब उसी मल्टी में रहने वाले छात्र सुधांशु साहू और उनके दोस्त अंशुतेज पाटिल व हरीश दुबे ने आपत्ति जताई तो फ्लैट में पार्टी कर रहे अनिकेत, ओम और उनका दोस्त सुधांशु सिंह नीचे पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच पार्टी को लेकर कहासुनी हो रही थी, तभी सुधांशु सिंह ने अंशुतेज पाटिल और वहां टहल रहे एक अन्य युवक वासु गुप्ता को गोली मार दी, जो कि झगड़े में शामिल भी नहीं था। दोनों आरोपितों को एम्स में भर्ती किया गया। वहीं आरोपित फरार हो गए थे। पुलिस ने अनिकेत शर्मा, ओम तिवारी को गिरफ्तार किया है। साथ ही सुधांशु को पनाह देने वाले राजवीर को भी पुलिस ने आरोपित बनाया है और गिरफ्तार कर लिया है।

विश्व शांति के लिए जैन मंदिर में हुआ नवकार महामंत्र का सामूहिक पाठ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व शांति, मानव कल्याण और सभी के मंगल मय जीवन की कामना के साथ नवकार महामंत्र का जाप राजधानी के मंदिरों में हुआ तो वातावरण श्रद्धा भक्ति उत्साह से भर गया। इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन जीतो के तत्वाधान में यह आयोजन भारत सहित विश्व के 108 देशों में एक साथ हुआ।

भोपाल में जवाहर चौक जैन मंदिर परिसर में आचार्य विद्यासागर महाराज, आचार्य समय सागर महाराज के शिष्य निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज का सासंघ सानिध्य रहा। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित आयोजन में मुख्य अतिथि गृहमंत्री अमित शाह थे। उन्होंने कहा अनुष्ठान सर्व व्यापक है। जैन सिद्धांत में क्षमा और

नवकार मंत्र विश्व शांति का प्रबल सूत्र है। जीतो अध्यक्ष डॉ प्रशांत जैन और सचिव वैभव चौधरी ने बताया कि भोपाल में घर घर में महामंत्र का पाठ हुआ। यहां के मुख्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग और नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन मौजूद थी। मुनि संभव सागर महाराज ने कहा महामंत्र शाश्वत अनंत गुणों का धारक है। इसमें पंच परमेष्ठियों का स्मरण किया है। इस अवसर पर महिला विंग की प्रतिभा टोंग्या, पूजा जैन, युवा विंग के प्रखर चौधरी, आयुष मोदी शकुनाखर मौजूद थे। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया जीतो देश विदेश में शिक्षा , स्वास्थ पर्यावरण की रक्षा के साथ सामाजिक सरोकार के लिए कार्य कर रही है।

मेट्रो एंकर | केंद्र सरकार से मिले कार्य में तेजी लाने के निर्देश

राजधानी में ऑरेंज-ब्लू लाइन मेट्रो निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वर्ष 2029 मध्यप्रदेश के लिए लोकसभा और विधानसभा चुनाव का रहेगा। इस दौरान केंद्र- राज्य सरकारें भोपालवासियों को एक बड़ी सौगात आरेंज-ब्लू लाइन मेट्रो दौड़ाने की तैयारी में जुटे हैं। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद भोपाल मेट्रो के दोनों लाइनों पर निर्माण ने रफ्तार पकड़ ली है। मेट्रो कार्पोरेशन के अधिकारी प्रयास कर रहे हैं कि 2029 मध्य तक राजधानी में मेट्रो दौड़ने लगे। दोनों मेट्रो के संचालन से राजधानी के विकास के साथ ही भोपालवासियों के लिए सबसे बड़ी सौगात होगी।

मेट्रो कार्पोरेशन के अधिकारियों के अनुसार भोपाल मेट्रो के आरेंज लाइन एम्स से करोंद लगभग 16 किलोमीटर का एक हिस्सा एम्स से सुभाष नगर तक 6

किलोमीटर वाला हिस्सा शुरू हो चुका है, वही इसी का दूसरा सुभाष नगर से करोंद करीबन 10 किलोमीटर वाले हिस्से का काम तेजी से चल रहा है। इस हिस्से में भोपाल रेलवे स्टेशन से सिंधी कॉलोनी तक करीबन 3.15 किलोमीटर वाला हिस्से में भूमिगत चलेगी। अधिकारियों ने बताया कि आरेंज लाइन मेट्रो जमीन के उपर और भूमिगत दोनों रहेगी। इसके दूसरे हिस्से में आए सुभाष फाटक से करोंद तक के हिस्से में आए डीआईजी, आरिफ नगर, करोंद, विश्वकर्मा नगर, निशातपुरा क्षेत्र के अतिक्रमण पिछले माह ही हटा दिए थे। जहां- जहां से मेट्रो लाइन गुजरेगी, उस हिस्से की जमीन का मुआवजा देने के साथ ही निर्माण कार्य में तेजी ला दी गई है। मेट्रो ने बाधित बन रहे भारत टॉकीज के पास की आरा मशीनों को शिफ्ट करने के नोटिस दे चुकी हैं। फिलहाल ये आरा मिल शिफ्ट नहीं हुआ है। अगर ये आरा मशीनें अप्रैल तक नहीं हटी, तो इन्हें मेट्रो प्रशासन हटाने की कार्यवाही शुरू करेगी। ऑरेंज लाइन की कुल लंबाई लगभग 16 किलोमीटर होगी, जो करोंद सर्कल से एम्स तक चलेगी। बता दें कि मध्य प्रदेश मेट्रो रेल निगम लिमिटेड भोपाल मेट्रो का निर्माण कर रही है। इसका वित्तपोषण सरकारी निधियों और अंतरराष्ट्रीय ऋणों के संयोजन से किया जा रहा है। लागत का एक बड़ा हिस्सा यूरोपीय निवेश बैंक ईआईबी से प्राप्त 400 मिलियन यूरो के ऋण और एशियाई विकास बैंक एडीबी) से प्राप्त ऋणों से पूर्ति की जाएगी। इसके अलावा अतिरिक्त धनराशि भारतीय केंद्र और राज्य बजटों से प्राप्त की जा रही है। हाल ही में मप्र सरकार ने भी भोपाल मेट्रो को लगभग 90 करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया है। यह राशि आरेंज लाइन मेट्रो संचालन में आ रहे घाटे को पूर्ति करेगी।

वन राजस्व सीमा विवादों में उलझे अफसर, मुख्य सचिव अनुराग जैन बोले

मैं चीफ कम्प्लेंट ऑफिसर बन गया हूं, दीपाली बोलीं- जमीनी हकीकत अलग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में वन और राजस्व विभाग के बीच लंबे समय से चल रहे सीमा विवाद को लेकर हुई विभागाध्यक्षों की बैठक में माहौल अचानक गर्म हो गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की एसीएस दीपाली रस्तोगी ने बैठक में साफ कहा कि यहां जो चर्चा हो रही है, वह जमीनी हकीकत से बिल्कुल अलग है। इस पर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने भी सिस्टम की स्थिति को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे इस समय ÷चीफ कम्प्लेंट ऑफिसर÷ बन गए हैं, क्योंकि हर तरह की शिकायत और विवाद उनके पास ही पहुंच रहे हैं।

गांवों में आज भी तय नहीं—जमीन वन या राजस्व की- बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के एसीएस संजय शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के कई गांवों में अब तक यह स्थिति स्पष्ट नहीं है कि कौन सी जमीन वन विभाग की है और कौन सी राजस्व की। इसी वजह से लगातार विवाद की स्थिति बन रही है।

वन-राजस्व के स्केल अलग होने से समस्या जटिल- दीपाली रस्तोगी ने यह भी कहा कि वन और राजस्व विभाग के अलग-अलग स्केल होने के कारण समस्या और जटिल हो जाती है, जिससे इसका कोई ठोस समाधान सामने नहीं आ पा रहा।

वन विभाग का पक्ष पूर्व प्रमुख सचिव ने रखा, चर्चा गर्माई- बैठक के दौरान वन विभाग का पक्ष मौजूदा प्रमुख सचिव के बजाय विभाग के पूर्व प्रमुख सचिव अशोक बर्णवाल ने रखा। इस वजह से चर्चा और ज्यादा तीखी हो गई और अधिकारियों के बीच मतभेद खुलकर सामने आए।

मुख्य सचिव ने ये दिए निर्देश

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बैठक में सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सर्वोच्च प्राथमिकताओं को शामिल करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपनी कार्ययोजना और लक्ष्य 15 अप्रैल तक प्रस्तुत करें। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे पिछले ढाई साल की प्रमुख उपलब्धियों और आगामी योजनाओं का ब्यौरा एक सप्ताह के भीतर दें। मुख्य सचिव ने सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी से जुड़े समय-सीमा से अधिक लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इन मामलों की हर सप्ताह समीक्षा की जाए और सैंपल जांच भी की जाए, ताकि संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित हो सके।

1947 से पहले के कानूनों की समीक्षा 31 मई तक

बैठक में आजादी से पहले बने कानूनों में संशोधन, निरसन या नए एक्ट लाने की प्रक्रिया की भी समीक्षा हुई। मुख्य सचिव ने 31 मई तक इस काम को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि जरूरत पड़ने पर कैबिनेट की मंजूरी ली जा सके। गर्मी को देखते हुए मुख्य सचिव ने पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए हैंडपंप खनन के लिए एक-दो दिन में एसओपी जारी की जाएगी। जिलों में आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की जानकारी भी बैठक में दी गई।

आगजनी रोकने और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी फोकस

ग्रामीण क्षेत्रों में आगजनी की घटनाओं को रोकने और बचाव के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। गृह विभाग को थाना स्तर पर उपलब्ध संसाधनों की जानकारी जुटाकर आम लोगों तक पहुंचाने को कहा गया। साथ ही गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज और बचाव की व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। एमपी ई-सेवा पोर्टल की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि अब तक 1055 सेवाएं ऑनलाइन हो चुकी हैं। उन्होंने सभी विभागों को अपनी सेवाएं अपडेट करने और पोर्टल को और आसान बनाने के निर्देश दिए।

संस्कारधानी में कृषि मंथन कार्यशाला: सीएम यादव बोले-

कृषि आजीविका का साधन ही नहीं, भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का मूल आधार

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश में कृषि और कृषि से जुड़े व्यवसायों को सह अस्तित्व की दृष्टि से बड़े सम्मान के साथ देखा गया है। समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश की थीम के साथ पूरे वर्ष प्रदेश में कृषि उत्सव मनाया जा रहा है। कृषि के माध्यम से हमें प्रकृति के साथ जीने का अवसर मिलता है। देश में कृषि की परंपरा लाखों साल पुरानी है। भीम बैठिका में पुरातन काल से कृषि की परंपरा के शैलचित्र देखने को मिलते हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्षों से कृषि के साथ जीने का मार्ग दिखाया है।

ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में कृषि मंथन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की भावना के अनुरूप जय किसान, जय जवान में जय विज्ञान जोड़ा गया था, वर्तमान दौर में हम, इसमें जय अनुसंधान भी जोड़ रहे हैं। प्रदेश में किसानों को हम केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि किसानों को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और बेहतर मार्केट लिकेंजेस से भी सशक्त बना रहे हैं। कृषि मंथन कार्यशाला किसानों के अनुभव, विज्ञान के नवाचार, सरकार की नीतियों और बाजार की संभावनाओं को एक सूत्र में पिरोने का सशक्त प्रयास है।

सौगातों की लगाई झड़ी

डॉ. यादव ने इस अवसर पर उन्नत बीज प्रसंस्करण, औषधीय पौध प्रजाति, खाद्य प्रसंस्करण एवं उन्नत कृषि फसलों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 23 करोड़ 21 लाख की लागत के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण कर विकास की सौगाते दी। इनमें प्रमुख रूप से 13 करोड़ रुपये की लागत से बने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन, 1.11 करोड़ रुपये लागत के बोहानी गन्ना अनुसंधान केन्द्र के प्रशासनिक भवन, 1 करोड़ रुपये लागत के बालाघाट जिले के कृषि महाविद्यालय वारासिवनी के कौशल विकास केन्द्र के साथ ही जबलपुर में 1.26 करोड़ रुपये से बने स्वचालित तरल जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र का लोकार्पण किया। साथ ही किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की 4 करोड़ 92 लाख रुपये से निर्मित 4 इकाइयों का भी लोकार्पण किया गया, इसमें रीवा एवं शहडोल के ज्ञान प्रसार केन्द्र शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यशाला में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित 10 स्टार्ट-अप्स को 10 करोड़ रुपये से अधिक के स्वीकृति आदेश का वितरण किया।

सरसों की फसल पर भी भावांतर का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक नई किस्मों के विकास में पोषकता पर विशेष जोर दे रहे हैं। प्रदेश में गेहूं उत्पादन का रिकॉर्ड बना है। मध्यप्रदेश ने गेहूं उत्पादन में सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। प्रदेश में गेहूं का उपार्जन 9 अप्रैल से शुरू हो रहा है। किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल का भाव दिया जा रहा है। इसे 2700 रुपए तक पहुंचाने के लिए हम संकल्पित है।

पात्रता परीक्षा रोकने सरकार सुप्रीम कोर्ट में रखेगी पक्ष

कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल को मंत्री ने किया आश्वस्त, कहा- आपका अहित नहीं होने देंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने राज्य कर्मचारी संघ और शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल से कहा है कि तकनीकी एवं विधि सम्मत कार्यवाही की प्रकिया के उपरांत सरकार शीघ्र ही उच्चतम न्यायालय में प्रदेश के शिक्षकों का पक्ष रखेगी। सरकार जल्दबाजी में शिक्षकों की विपरीत कोई भी निर्णय नहीं करेगी।

शिक्षकों की पात्रता परीक्षा को लेकर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ एवं शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप से मुलाकात कर समस्याएं बताईं। प्रतिनिधि मंडल ने संयुक्त रूप शिक्षा मंत्री से पात्रता परीक्षा को लेकर प्रदेश के शिक्षकों का पक्ष रखा तथा सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट मे पक्ष रखने का आग्रह किया। इसके बाद शिक्षा मंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार शिक्षकों के साथ है, हम शिक्षकों के पक्ष में पूरी तरह से खड़े हुए हैं।

सरकार जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं करेगी- राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अनिल भार्गव वायु ने जानकारी दी है कि तकनीकी एवं विधि सम्मत कार्यवाही की प्रकिया के उपरांत सरकार शीघ्र ही उच्चतम न्यायालय में प्रदेश के शिक्षकों का पक्ष रखेगी। सरकार जल्दबाजी में कोई भी शिक्षकों की विपरीत निर्णय नहीं करेगी। प्रतिनिधि मंडल मे भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष क्षत्रवीर सिंह राठौड़, मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव एवं प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

शिक्षकों का पक्ष मजबूती से रखेंगे

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष क्षत्रवीर सिंह राठौड़ ने भी कहा कि फ्रशिक्षकों का पक्ष पूरी मजबूती से रखा है और हमें पूर्ण विश्वास है कि सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार के सकारात्मक रुख से प्रदेश के शिक्षकों में विश्वास मजबूत हुआ है। हम सभी शिक्षक एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयासरत हैं और न्याय मिलने की पूरी आशा है।

गायनेकोलॉजिस्ट और शिशु रोग विशेषज्ञों की सीधी भर्ती

सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी होगी दूर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में लंबे समय से चली आ रही विशेषज्ञों की कमी अब जल्द दूर होने वाली है। इस भर्ती अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ सेवाओं को तत्काल प्रभाव से सुचारू करना है। इस पूरी भर्ती प्रक्रिया में सबसे ज्यादा जोर उन 29 पदों पर है, जहां स्त्री रोग विशेषज्ञों (गायनेकोलाजिस्ट) की सख्त दरकार है। इसके साथ ही प्रदेशभर में रेडियोलाजिस्ट के 26 रिक्त पदों को भी भरे जाएंगे।

निजी सेंटरों पर निर्भरता होगी कम- वर्तमान में रेडियोलाजिस्ट की कमी के चलते मरीजों को एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी बुनियादी जांचों के लिए निजी

सेंटरों पर निर्भर रहना पड़ता है और मोटी रकम खर्च करनी पड़ती है। इन नियुक्तियों के बाद इन डॉक्टरों को पीपीपी मोड और जिला अस्पतालों में तैनात किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने इस बार रणनीतिक रूप से नियुक्तियों की योजना बनाई है। इसके अलावा सर्जरी और क्रिटिकल केयर को मजबूती देने के लिए 14 एनेस्थेटिस्ट की भी नियुक्ति की जा रही है।

दूरस्थ जिलों में सुधरेगी बच्चों की सेहत

शिशु रोग विशेषज्ञों (पीडियाट्रिशियन) के छह पदों पर होने वाली भर्ती में चयनित डॉक्टरों की प्राथमिक तैनाती झाबुआ और अलीराजपुर जैसे दूरस्थ आदिवासी बहुल जिलों में की जाएगी। इसका उद्देश्य इन क्षेत्रों में शिशु मृत्यु दर में कमी लाना और बच्चों को समय पर विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराना है। इन नियुक्तियों से झाबुआ-अलीराजपुर जैसे दूरस्थ जिलों को प्राथमिकता मिलेगी, जिससे वहां की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक की नाबार्ड चेयरमैन से मुलाक़ात

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष शाजी कृष्णन के भोपाल प्रवास पर अपेक्स बैंक, भोपाल के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने भेंट कर प्रदेश में कृषि एवं ग्रामीण विकास की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी.सरस्वती, अपेक्स बैंक के उप महाप्रबंधक के.टी.सज्जन और ओ.एस.डी.अरविंद बौद्ध भी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान श्री गुप्ता ने प्रदेश में सहकारी बैंकों के सुदृढ़ीकरण हेतु किये जा रहे कार्यों से नाबार्ड अध्यक्ष को अवगत कराते हुए, नाबार्ड से भी इस दिशा में योजनाएं बनाने का अनुरोध किया।

सवालों के घेरे में पीएचक्यू की 2.5 करोड़ की सॉफ्टवेयर खरीदी

भोपाल। साइबर फॉरेंसिक लैब के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा ढाई करोड़ रुपये से दो अलग-अलग तरह के हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर खरीदी को लेकर वित्त विभाग ने भी कड़ी आपत्ति की है। विभाग ने गृह विभाग से चार बिंदुओं पर जवाब मांगा है। इसमें पहला यह कि वित्तीय अधिकार नियम 1995 के अंतर्गत डीजीपी को सॉफ्टवेयर खरीदी के अधिकार नहीं हैं। फिर किस नियम के अंतर्गत खरीदी की गई उसका विवरण दें।

दूसरा यह कि जब डीजीपी को अधिकार नहीं हैं तो क्या गृह विभाग से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति ली गई है। तीसरा, किस बजट शीर्ष से सॉफ्टवेयर खरीदा गया है। चौथा यह कि सॉफ्टवेयर की खरीदी एक तकनीकी विषय है। क्या पुलिस मुख्यालय ने इसके लिए तकनीकी समिति का गठन किया था।

साथ ही गृह विभाग ने भी पुलिस मुख्यालय से खरीदी के अधिकार के संबंध में जानकारी मांगी है। साइबर फॉरेंसिक जांच के लिए आठ नग सेलेब्राइट इनसाइट ऑनलाइन प्रो सॉफ्टवेयर और एक नग सेलेब्राइट प्रीमियम सॉफ्टवेयर (मोबाइल फोन फॉरेंसिक के लिए) की खरीदी की गई है, जिस पर गृह और वित्त विभाग को आपत्ति है। हालांकि, पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों का कहना है कि खरीदी नियमानुसार की गई है। भ्रम की स्थिति हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को लेकर है, जिसे स्पष्ट करते हुए गृह विभाग को जानकारी भेज दी गई है। अभी इसमें भुगतान भी कंपनी को नहीं किया गया है।

दोपहर मेट्रो

जियो-इंवेंट्री और सिपरी से बदला सिस्टम

मध्य प्रदेश में नई टेक्नोलॉजी से बन रहीं गांवों की सड़कें

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में ग्रामीण सड़कों के निर्माण का तरीका अब बदल गया है। सुगम संपर्कता परियोजना के तहत जियो-इंवेंट्री और सिपरी सॉफ्टवेयर जैसी तकनीकों का उपयोग कर सड़क निर्माण को पूरी तरह वैज्ञानिक और डेटा आधारित बना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और गुणवत्ता की निगरानी के लिए ड्रोन तकनीक अपनाई जाए।

परियोजना के तहत प्रदेश में करीब एक हजार करोड़ रुपये की लागत से सड़कें बनाई जाएंगी और 100 से अधिक आबादी वाले मजरों-टोलों को सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा। जनपद पंचायतों को तीन करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने के अधिकार भी दिए गए हैं।

क्या है जियो-इंवेंट्री, कैसे करेगी काम आसान- जियो-इंवेंट्री का मतलब है पहले से बनी सड़कों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना। रिम्स पोर्टल के माध्यम से सड़कों की लोकेशन, लंबाई और स्थिति को मैप पर दर्ज किया जा रहा है।

इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, पीएमजीएसवाय और जिला सड़कों को शामिल किया गया है। इससे यह पता चल सकेगा कि कहां सड़क पहले से मौजूद है और कहां नई जरूरत है, जिससे एक ही सड़क दोबारा बनने की समस्या खत्म होगी।

सिपरी सॉफ्टवेयर से तय होगा कहां बनेगी सड़क

सिपरी सॉफ्टवेयर सड़क निर्माण की पूरी योजना तैयार करने में मदद करता है। इसके जरिए यह तय किया जा रहा है कि सड़क कहां बनेगी, उसकी लंबाई-चौड़ाई क्या होगी और कितनी लागत आएगी। यही नहीं, यह सॉफ्टवेयर यह भी बताता है कि सड़क के साथ कहां पुल, पुलिया या कल्वर्ट की जरूरत है। नई सड़कों के सर्वे, डीपीआर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और लागत का अनुमान भी इसी सॉफ्टवेयर से तैयार किया जा रहा है। इससे योजना में पारदर्शिता आएगी और गलत या अधूरी योजना बनने की संभावना कम होगी।

ड्रोन और डैशबोर्ड से होगी निगरानी

सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग किया जाएगा। साथ ही जनपद, जिला और राज्य स्तर पर डैशबोर्ड के जरिए काम की मानिटरिंग होगी। मैदानी अमले को भी तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे वे नई प्रणाली को बेहतर तरीके से लागू कर सकें। परियोजना के तहत अब तक सात हजार 135 नई सड़कों के प्रस्ताव तैयार हो चुके हैं और 29 जिलों में 1771 सड़कों को स्वीकृति मिल चुकी है। इस नई तकनीक से सड़क निर्माण में दोहराव रुकेगा, योजना अधिक सटीक बनेगी और लागत व समय दोनों की बचत होगी। साथ ही गांवों तक बेहतर और स्थायी सड़क संपर्क सुनिश्चित हो सकेगा।

जहां मांएं हार जाती हैं..

एक अमेरिकी मां की प्रार्थना से शुरू हुई कहानी हमें युद्ध की असल सच्चाई के सामने खड़ा कर देती है। सोशल मीडिया पर एक व्याकुल मां ने अपने फाइटर पायलट बेटे की सलामती के लिए दुनिया से दुआ की अपील की। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा - आज की रात प्रार्थनाओं में उन दो एफ-15 पायलटों को याद रखें, जिनके विमान ईरान में गिरा दिए गए हैं। उसका डर निजी था, लेकिन उसकी आवाज वैश्विक हो गई। सौभाग्य से बचाव अभियान सफल रहा और उसका बेटा सुरक्षित लौट आया। उस एक मां की राहत ने दुनिया को सुकून दिया। लेकिन सवाल यह है- क्या हर मां इतनी भाग्यशाली होती है? युद्ध की दूसरी तस्वीर कहीं अधिक भयावह है। ईरान में हजारों लोग इस संघर्ष की भेंट चढ़ चुके हैं। इनमें बड़ी संख्या आम नागरिकों और मासूम बच्चों की है। शुरुआती हमलों में ही एक स्कूल को निशाना बनाया गया, जहां दर्जनों नहीं, बल्कि सैकड़ों बच्चों की जान चली गई। आंकड़े केवल संख्या बताते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपे दर्द को नहीं। हर संख्या एक अधूरी कहानी है, हर मौत एक उजड़ा हुआ परिवार, और हर आंसू एक ऐसा शोक है जिसे शब्दों में पिरोना मुश्किल है। पश्चिम एशिया के कई इलाकों में जीवन अब सामान्य नहीं रहा। वहां के लोग हर पल अनिश्चितता और भय के साए में जी रहे हैं। रात की नींद अब सायरनों और धमाकों के बीच टूटती है। बच्चे, जो खेल और सपनों की दुनिया में होने चाहिए थे, अब डर और असुरक्षा के बीच बड़े हो रहे हैं। यह केवल वर्तमान का संकट नहीं, बल्कि भविष्य की त्रासदी भी है। इसके बावजूद, कुछ शक्तिशाली देश इस युद्ध को 'जरूरी' बताने में लगे हैं। लेकिन इतिहास बार-बार यह साबित कर चुका है कि युद्ध कभी समाधान नहीं होता। हिंसा केवल और अधिक हिंसा को जन्म देती है। इसके पीछे अक्सर राजनीतिक स्वार्थ और आर्थिक हित छिपे होते हैं- हथियारों का कारोबार फलता-फूलता है, और सत्ता में बैठे लोग राष्ट्रवाद की लहर पर अपनी पकड़ मजबूत करते हैं। किंतु इसकी कीमत आम लोग चुकाते हैंअपनों की जान देकर, अपना घर-बार छोड़कर, और अपने सपनों को खोकर। महात्मा गांधी ने जिस अहिंसा के मार्ग की वकालत की थी, वह आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। उनका मानना था कि हिंसा से प्राप्त कोई भी उपलब्धि क्षणिक होती है, जबकि उसका दुष्परिणाम लंबे समय तक बना रहता है। आज जब हम ईरान और यूक्रेन जैसे संघर्षों को देखते हैं, तो यह सत्य और भी स्पष्ट हो जाता है। टूटे हुए शहर, बिखरी हुई अर्थव्यवस्थाएं और विस्थापित लोग-यही युद्ध की असली विरासत है।

ईरान करता बड़े पलटवार, अपने दोस्तों से ही लाचार दिखते चालाक और अस्थिर ट्रंप

डॉ. प्रभात ओझा
स्तंभकार

ऐसा मान लेना जल्दबाजी होगी कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जिसे 'दलाल' कहा था, उसी पाकिस्तान ने जंग रुकवा दी। प्रारम्भिक तौर पर अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पोस्ट से जरूर यह लगता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं दो हफ्तों के लिए ईरान पर बमबारी और हमले को रोकने पर सहमत हूं।' ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर से बातचीत के बाद लिया गया। उन दोनों ने मुझसे नियोजित हमलों को टालने का आग्रह किया था।

राष्ट्रपति का यह निर्णय वाला बयान, उस समय सीमा के सिर्फ एक घंटा पहले आया, जिसके बाद उन्होंने 'एक पूरी सभ्यता का नामोनिशान मिटा देने' की धमकी दी थी। जो भी हो, युद्ध एक सभ्य दुनिया के लिए महापाप ही होता है। इसे शुरू करने के 40वें दिन अचानक शांति का ख्याल आ जाने के पीछे कुछ तो हुआ होगा। उस तय लाइन पर आगे बढ़ने के लिए गुरुवार 10 अप्रैल से इस्लामाबाद में बातचीत करने का निर्णय हुआ। दुनिया इससे राहत की सांस लेगी, इसके संकेत मिलने शुरू हो गये। युद्धविराम घोषित होते ही कच्चे तेल की कीमत करीब 100 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गया। शुरुआती घंटों में ही भारत के शेयर बाजार में भी रौनक देखने को मिलने लगी थी।

खबर पहले भी थी कि पाकिस्तान बातचीत में मध्यस्थता कर रहा है। फर्क यह है कि अब आधिकारिक रूप से दोनों पक्षों के घोषित प्रतिनिधि आमने-सामने बैठेंगे। स्वाभाविक है कि इतनी भयावह तल्खी के बाद सहमति के लिए लेनदेन भी होगी। इस 'दलाली' में मध्यस्थ को क्या मिलेगा, यह भी देखना है। अब मध्यस्थता अथवा दलाली मुख्य प्रश्न नहीं है। प्रश्न है कि किन परिस्थितियों में संघर्ष रोकना पड़ा। शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के कहने भर से यह हो गया, प्रारम्भिक तौर पर दुनिया में इसे कोई नहीं मान रहा। अभी तो राष्ट्रपति ट्रंप की बेचारगी और लाचारी ही दिख रही है। इसे समझने के लिए युद्ध विराम पर इजराइल के पहले बयान पर नजर डालनी चाहिए। बयान के एक हिस्से में कहा गया है, 'इजराइल अमरीका की उस कोशिश का समर्थन करता है जिसमें यह सुनिश्चित करना है कि ईरान अब परमाणु हथियार, मिसाइल या आतंक का खतरा न बने। न अमरीका के लिए, न इजराइल के लिए, न ईरान के अरब पड़ोसियों के लिए और न ही दुनिया के लिए। 'दरअसल, ईरान खतरा न बने, यह तो बातचीत के रुख से तय होगा। अभी वह अपने उन पड़ोसियों के लिए खतरा जरूर है, जहां अमरीकी अड्डे हैं। ईरान ने युद्ध के दौरान साफ कर दिया था कि वह अपने 'पड़ोसी भाइयों' पर नहीं बल्कि उनके यहां अमरीकी ठिकानों पर हमले कर रहा है। यही नहीं, ईरान ने ट्रंप की ताजा धमकी के बाद मध्य एशिया के विभिन्न देशों में मौजूद महत्वपूर्ण पुलों, जैसे कुवैत का शेख अल अहमद अल सबाह सी ब्रिज, सऊदी अरब और बहरीन को जोड़ने वाला किंग फहद कॉजवे, जार्डन का किंग हुसैन ब्रिज, दामिया और अब्दौलन ब्रिज को निशाने पर रखा था। उसने इजराइल के परमाणु ठिकानों और मध्य एशिया की कई रिफाइनरीज पर भी हमले की योजना बना ली। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि ये सम्बंधित देश ट्रंप पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ा रहे थे।

बातचीत किस दिशा में जाएगी, इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो अमरीका की लाचारी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आए होर्मुज प्रस्ताव से भी समझा जा सकता है। ट्रंप का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले सुरक्षा परिषद में होर्मुज खोलने पर बहरीन की तरफ से आया प्रस्ताव गिर गया। इस पर वोटिंग में रूस और चीन ने वीटो कर दिया। और तो और, जिस पाकिस्तान के मध्यस्थ होने की खबर है, वह मतदान से गैरहाजिर रहा। पाकिस्तान इस समय सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। परिणाम यह रहा कि होर्मुज को खुलवाने के अमरीकी इरादे को धक्का पहुंचा। बातचीत के परिणाम का इंतजार करना होगा, अभी तो अमरीका अब तक दुश्मन रहे ईरान के पुनर्निर्माण में मदद करने का भी वचन दे रहा है। चालाक और अस्थिर ट्रंप आगे क्या करें, इसका भी भरोसा नहीं। फिलहाल तो वे लाचार ही लग रहे हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राघव चड्ढा से आम आदमी पार्टी की दूरी संगठन में बढ़ती दरार या नेतृत्व पर सवाल?

डॉ. अनिल कुमार निगम
स्तंभकार

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को पार्टी के भीतर जिस तरह हाशिए पर धकेला गया है, उसने न केवल उनके राजनीतिक भविष्य बल्कि पार्टी की आंतरिक स्थिति पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्हें राज्यसभा में नेता पद से हटाया जाना महज एक संगठनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

हालांकि राघव चड्ढा अभी भी पार्टी में बने हुए हैं लेकिन पार्टी नेतृत्व और उनके बीच बढ़ती दूरी अब छिपी नहीं है। पार्टी नेताओं द्वारा उनकी 'पार्टी लाइन' से विचलन पर की गई तीखी आलोचना और दूसरी ओर राघव का सोशल मीडिया के माध्यम से खुद को जनहित के मुद्दों का पक्षधर बताना, स्पष्ट संकेत देता है कि दोनों पक्षों के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद गहरा चुके हैं। राघव चड्ढा पार्टी के शुरुआती दौर से जुड़े रहे हैं और उन्हें 'थिंक टैंक' के रूप में देखा जाता था। ऐसे में उनकी भूमिका को लेकर उत्पन्न अनिश्चितता केवल एक व्यक्ति का संकट नहीं, बल्कि संगठनात्मक असंतुलन का प्रतीक बनती जा रही है। यह पहली बार नहीं है जब पार्टी के किसी प्रमुख चेहरे ने दूरी बनाई हो। पिछले एक दशक में कई बड़े नेताओं का पार्टी से अलग होना एक पैटर्न की ओर इशारा करता है। शाजिया इल्मी, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, आशुतोष, अलका लांबा जैसे नाम केवल व्यक्ति नहीं बल्कि वे ऐसी शख्सियत थीं जिन्होंने कभी पार्टी की वैचारिक दिशा तय की थी।

लगातार हो रहे इन प्रस्थानों से यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि समस्या व्यक्तियों में थी या फिर पार्टी की कार्यशैली और नेतृत्व शैली में कोई मूलभूत कमी है। एक-एक कर पार्टी छोड़ चुके नेताओं ने पार्टी सुप्रीमो एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए थे कि उनकी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा के चलते पार्टी दिशा भ्रमित हो गई है।

आम आदमी पार्टी की शुरुआत 2012 में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक जनांदोलन से हुई थी, जिसका मूल आधार पारदर्शिता, जवाबदेही और आंतरिक लोकतंत्र था। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आआपा के कई नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसौदिया और सत्येंद्र जैन को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाना पड़ा, हालांकि अभी उन पर अदालत से दोष सिद्ध नहीं हुआ, लेकिन निःस्संदेह, इससे पार्टी की छवि पर धब्बा तो लगा है।कई पूर्व नेताओं ने खुलकर यह कहा कि पार्टी में निर्णय कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित हो गए हैं। इससे न केवल असहमति की जगह कम हुई, बल्कि संवाद की संस्कृति भी प्रभावित हुई। परिणामस्वरूप, संगठन के भीतर विचारों की विविधता की जगह टकराव ने ले ली।

दिल्ली और पंजाब में सत्ता हासिल करने के बाद पार्टी का तेजी से विस्तार हुआ, लेकिन इस विस्तार के साथ मजबूत संगठनात्मक ढांचे की जरूरत भी बढ़ी। विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी इस चुनौती से पूरी तरह नहीं निपट सकी। समन्वय की कमी, संवादहीनता और नेतृत्व पर अत्यधिक निर्भरता ने कई बार आंतरिक असंतोष को जन्म दिया। राघव चड्ढा को पार्टी के युवा और शिक्षित चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया गया। वे रणनीतिकार, प्रवक्ता और संसदीय नेता के रूप में सक्रिय रहे हैं। हालांकि, वर्ष 2023 में उन पर राज्यसभा में 'फर्जी हस्ताक्षर' से जुड़ा विवाद भी सामने आया, जिसके कारण उन्हें निलंबन झेलना पड़ा। उन्होंने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया।

महत्वपूर्ण यह है कि पार्टी ने कभी भी उनके खिलाफ भ्रष्टाचार या अनुशासनहीनता का औपचारिक आरोप नहीं लगाया, फिर भी उन्हें पद से हटाया जाना इस बात का संकेत है कि असहमति को किस तरह देखा जा रहा है। यह पूरा घटनाक्रम एक बड़े प्रश्न की ओर ले जाता है। क्या आम आदमी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र कमजोर हो रहा है? क्या पार्टी में वैकल्पिक विचारों के लिए पर्याप्त जगह है? जब भी कोई वरिष्ठ नेता असहमति जताता है और अंततः किनारे हो जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत विवाद नहीं रह जाता, बल्कि संस्थागत संरचना पर प्रश्नचिह्न बन जाता है।

वास्तविकता यह है कि जिस 'ईमानदारी' और 'पारदर्शिता' के आधार पर पार्टी खड़ी हुई थी, वही आज सबसे अधिक सवालों के घेरे में है। हालांकि शीर्ष नेतृत्व पर लगे आरोप न्यायालय में सिद्ध नहीं हुए हैं, फिर भी सार्वजनिक धारणा राजनीति में उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी कानूनी सच्चाई। राघव चड्ढा प्रकरण केवल एक नेता की कहानी नहीं है, यह उस पार्टी की आंतरिक स्थिति का प्रतिबिंब है, जिसने कभी वैकल्पिक राजनीति का सपना दिखाया था। अब देखना यह होगा कि पार्टी इस संकट को आत्ममंथन का अवसर बनाती है या यह दरारें आगे चलकर एक बड़े राजनीतिक विभाजन का रूप लेती हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

मान्यता और तथ्य

आंख फड़कना शुभ-अशुभ लक्षण नहीं, सेहत बिगड़ने का संकेत भी हो सकता है

आंखों का फड़कना एक आम समस्या है, जिसे कभी न कभी हम सब अनुभव करते हैं। कई लोग आंखों के फड़कने को शुभ-अशुभ संकेत भी मानते हैं, लेकिन कई मामलों में ये स्ट्रेस, थकान, नींद की कमी, ज्यादा स्क्रीन टाइम या विटामिन की कमी का कारण भी हो सकता है। अगर बार-बार या लगातार आंखें फड़क रही हैं तो इसका कारण जानकर उचित इलाज और लाइफस्टाइल में बदलाव करना जरूरी है। यह समझना जरूरी है कि शरीर आपको क्या संकेत दे रहा है।

अगर आंखों का फड़कना कई दिनों या हफ्तों तक बना रहे, आंखों में लालिमा, सूजन या दर्द हो, आंखें बार-बार अपने आप बंद हो जाएं या चेहरे के अन्य हिस्सों में हलचल महसूस हो, तो गंभीर संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत अपनी जांच कराएं।

आमतौर पर पर्याप्त आराम न मिलने से आंखों की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है, जिससे वे फड़कने लगती हैं। स्ट्रेस लेवल बढ़ने पर शरीर में हार्मोनल बदलाव होते हैं, जिसका असर मांसपेशियों पर पड़ता है। ज्यादा स्क्रीन टाइम- फोन और लैपटॉप पर लंबे समय तक काम करने से आंखें थक जाती हैं। कैफीन या शराब के ज्यादा सेवन से नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) ज्यादा एक्टिव हो जाता है, जिससे मांसपेशियों की गति प्रभावित हो सकती है। हेल्दी डाइट न लेने से भी आंखें फड़कने की समस्या हो सकती है। मैग्नीशियम, विटामिन बी12 और पोटेशियम की कमी से आंखें फड़कने की तकलीफ हो सकती है। अपनी डाइट में हरी सब्जियां, फल, मेवे और डेयरी प्रोडक्ट शामिल करें।

इन संकेतों नजरअंदाज न करें: शरीर में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों को अक्सर हम नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। मन और शरीर आपस में गहरा संबंध है। अगर मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं तो इसके लक्षण शरीर पर भी नजर आते हैं। काम या निजी जीवन का तनाव, लगातार चिंता या गहरी सोच, पर्याप्त आराम न मिलने से होने वाली मानसिक थकान, ये सभी समस्याएं सूक्ष्म रूप से शरीर को प्रभावित कर सकती हैं, जिसके कारण आंखों का फड़कना शुरू हो सकता है। शरीर के कुछ संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबे समय तक स्क्रीन के इस्तेमाल से आंखों में ड्राईनेस की समस्या हो सकती है। धूल और प्रदूषण के कारण आखों में एलर्जी या जलन हो सकती है। थकान- शरीर पर ज्यादा जोर डालने से मांसपेशियों के फड़कने की समस्या हो सकती है। आंखों का फड़कना बहुत ज्यादा थकान का संकेत हो सकता है। जरूरी है कि 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें। स्क्रीन टाइम से ब्रेक लें। कैफीन और शराब से परहेज करें। मेडिटेशन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। हेल्दी डाइट लें। आंखों की मांसपेशियां बेहद संवेदनशील होती हैं।

सुविचार

प्रार्थना ऐसे करो जैसे सब कुछ भगवान पर निर्भर करता है और प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है। -अज्ञात

निशाना

आस्तीन में साँप कबीरा..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

दो और दो अब पाँच कबीरा,
खुद को फिर से जाँच कबीरा,
सब होते हैं हीरे कब,
चमक रहे कुछ काँच कबीरा,
एक भरोसा बस अपना,
अपनी किस्मत बाँच कबीरा,
सफ़र सत्य का सहज नहीं,
आती इस पर आँच कबीरा,
यह दुनियाँ इक खेला है,
जबतक चलती साँस कबीरा,
यह स्वारथ की दुनियाँ है,
मौसम का रुख भाँप कबीरा,
करें भरोसा किस पे अब,
आस्तीन में साँप कबीरा।

टेक्नो अपडेट

बदला इंटरनेट चलाने का तरीका, गूगल क्रोम में आया 'साइड' टैब्स, सुंदर पिचाई ने की तारीफ़

गूगल ने अपने लोकप्रिय वेब ब्राउजर क्रोम के लिए दो नए फीचर रोलआउट करना शुरू कर दिया है। इनमें एक वर्टिकल टैब और अपडेटेड रीडिंग मोड शामिल है। वर्टिकल टैब फीचर लाने का मकसद टैब को व्यवस्थित करना और वेबपेज देखने के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाना है। ये फीचर उन लोगों के लिए काफी उपयोगी होगा, जो एक साथ कई टैब ओपन करते हैं। इससे टैब को मैनेज करने और कंटेंट को एक आसान लेआउट में देखने में मदद मिलेगी। आइये, इन्हें इस्तेमाल करने का तरीका जानते हैं।

अभी गूगल क्रोम में एक साथ कई सारे टैब्स ओपन करने पर वे यूजर्स को सर्च बार के ऊपर हॉरिजॉन्टल टैब बार में दिखते हैं। अब इसे हटाकर से वर्टिकल टैब लेआउट पर स्विच करने की सुविधा मिल रही है। इस फीचर को इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। इस फीचर से क्रोम को नया लुक मिल गया है। वर्किटल टैब फीचर का इस्तेमाल करने पर टैब्स ब्राउजर विंडो के किनारे लेफ्ट साइड में दिखाई देते हैं। हर टैब के पूरे पेज टाइटल दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं, टैब ग्रुप को साइड पैनल से मैनेज किया जा सकता है। यह नया लेआउट टैब्स को मैनेज करने और देखने का एक ऑप्शनल तरीका देता है।

वर्किटल टैब फीचर के साथ-साथ गूगल क्रोम के मोजूदा रीडिंग मोड फीचर को भी अपडेट किया गया है। अब यह फुल-पेज इंटरफेस के साथ उपलब्ध है। यह वेबपेज को एक आसान फॉर्मेट में दिखाता है। अपडेटेड रीडिंग मोड विज्ञापन, साइडबार और पेज के अन्य एलिमेंट हटा देता है। कंटेंट को टेक्स्ट फोकस्ड लेआउट और वेबपेज को साफ और एक जैसे फॉर्मेट में दिखाता है। गूगल के ष्टश्वह्र सुंदर पिचाई ने भी वर्टिकल टैब्स फीचर की जानकारी दी है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से एक अलग अंदाज में ट्वीट किया है। ट्वीट में उन्होंने ञ्जड्डढ्ढह् ष्टद्धह्म्श्रद्व वर्टिकल रूप में लिखा है, जैसे कि अब क्रोम में टैब्स दिखेंगे। इससे समझ आ रहा है कि पिचाई फीचर की तारीफ करते हुए यूजर्स को उसकी खासियत बता रहे हैं।

कैसे इस्तेमाल करें नए फीचर्स?: इन दोनों फीचर्स का इस्तेमाल करना बहुत आसान है। पहले हम अपडेटेड रीडिंग मोड की बात करते हैं। यूजर्स किसी भी वेबपेज पर राइट क्लिक करके और 'Open in reading mode' का ऑप्शन सिलेक्ट करके उसे नए रिडींग मोड में देख पाएंगे। वहीं, टैब्स को वर्टिकल लाने के लिए आपको किसी भी क्रोम विंडो में जाकर राइट क्लिक करना है। फिर Show Tabs Vertically का ऑप्शन सिलेक्ट कर लें।

फीचर नहीं मिला तो क्या करें: बता दें कि वर्टिकल टैब फीचर और अपडेटेड रीडिंग मोड आज से गूगल क्रोम यूजर्स के लिए उपलब्ध है। अगर आपको फीचर नहीं मिल रहा है तो थोड़ा इंतजार कर लें, क्योंकि उपलब्धता ब्राउजर के वर्जन और प्लेटफॉर्म के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। अगर आप गूगल क्रोम के पुराने वर्जन का इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसे अपडेट कर लें।

वायरल रील

जवानी में बुक किया होटल, बुढ़ापे में चेक आउट 67 साल की बुकिंग का हैरान करने वाला बिल

सोशल मीडिया पर दुनिया के अब तक के सबसे लंबे होटल बुकिंग की खूब चर्चा हो रही है। वायरल रील के मुताबिक़, एक शख्स ने अपनी लाइफ के 67 साल होटल के कमरे में गुजारे। उसने जवानी में चेक इन किया था और बुढ़ापे में होटल से चेक-आउट किया। पेरिस की यह कहानी सचमुच अनोखी है। जानकारी के मुताबिक, शख्स ने कुल 67 साल होटल में गुजारे थे। सोशल मीडिया पर यह वायरल स्टोरी लोगों को हैरान कर रही है। शख्स ने अपनी जवानी में होटल का कमरा बुक किया थ। लेकिन जब उसने वहां की सुविधाएं देखी तो इतना प्रभावित हो गया कि उसने अगले 67 साल उसी कमरे में गुजार दिए। इसे अभी तक के इतिहास के सबसे लंबे होटल स्टे के रुप में जाना जाता है।

होटल का कमरा बना घर: शख्स का नाम था जीन ले बोन। 1957 में उसने एक ट्रैवलिंग सेल्समैन के रूप में पेरिस के प्रसिद्ध ग्रैंड होटल (अब इंटरकॉन्टिनेंटल पेरिस ले ग्रैंड) में चेक-इन किया था। शुरू में सोचा था कुछ दिनों या हफ्तों का स्टे होगा, लेकिन समय बीतता गया और कमरा ही उसका घर बन गया। 67 साल तक जीन उसी होटल में रहे। उन्होंने कभी दूसरा घर नहीं खोजा। रोजाना रूम सर्विस मिलती, सफाई के साथ खाना कमरे में मिलता और होटल का माहौल उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया। राजनीतिक उथल-पुथल, आर्थिक बदलाव, होटल के रिनोवेशन और पीढ़ियों का गुजरना- सब कुछ उन्होंने उसी कमरे से देखा। होटल स्टाफ के लिए वे एक स्थायी मेहमान बन गए।

2.5 मिलियन डॉलर बिल: कई बार होटल मैनेजमेंट ने उन्हें स्पेशल रेट्स या डिस्काउंट दिए, लेकिन कुल बिल अभी भी बहुत भारी था। बताया जाता है कि उनका अनुमानित कुल बिल 2.5 मिलियन डॉलर (लगभग 21 करोड़ रुपये) से ज्यादा था। यानी औसतन सालाना करीब 37,000 डॉलर या रोजाना 100 डॉलर (9 हजार से ज्यादा) के आसपास। यह राशि आज के हिसाब से और भी ज्यादा लगती है क्योंकि पुराने दिनों में रेट्स कम थे, लेकिन इतने लंबे समय में सब कुछ बढ़ गया। यह कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। इंस्टाग्राम, फेसबुक पर रील्स और पोस्ट में लोग इसे शेयर कर रहे हैं। कई यूजर्स हैरान हैं कि कोई व्यक्ति 67 साल तक होटल में कैसे रह सकता है? कुछ लोग इसे रोमांचक बता रहे हैं तो कुछ कह रहे हैं कि यह अकेलेपन और आरामदेह जिंदगी की मिसाल है। एक यूजर ने लिखा, 'जवानी में चेक-इन, बुढ़ापे में चेक-आउट- यह तो असली लाइफ स्टाइल है!' दूसरे ने मजाक में कहा, 'मेरा होटल बिल तो 3 दिन का भी भारी पड़ता है, इन्होने 67 साल कैसे झेले?' जीन ले बोन की कहानी अब इतिहास के सबसे लंबे होटल स्टे में दर्ज हो गई है।

न्यूज विंडो

ककरावदा में विधिक साक्षरता शिविर में लोगों को दी जानकारी

गंजबासौदा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में ग्राम पंचायत ककरावदा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन सृष्टि कुशवाह चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में न्यायाधीश ने संबोधित करते हुए,भरण पोषण, बाल विवाह निषेध अधिनियम, माता पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण, मध्यस्थता, लोक अदालत, निःशुल्क विधिक सहायता के संदर्भ में जानकारी देकर अवगत कराया। शिविर में कशिश जैन अधिवक्ता, पीएलव्ही सुनील राजपूत, पीएलव्ही हेमराज सिंह सोलंकी, पीएलव्ही आरती कुशवाह, सरपंच सरिता रघुवंशी, सचिव हरगोविंद, शिक्षिका नमिता राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित अधिक संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सूने मकान से 5 लाख की चोरी, कबाड़ी 19 साल का शेख शादाब गिरफ्तार

नर्मदापुरम। जुमेराती क्षेत्र के एक सुनसान मकान से 5 लाख रुपये की चोरी करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। 19 वर्षीय शेख शादाब, खंडवा के ग्राम सिहाड़ा निवासी, नर्मदापुरम में कबाड़ बीनने का काम करता था। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के जेवर बरामद कर लिए।पुलिस के अनुसार, 3 अप्रैल को फरियादी रामगोपाल पाण्डेय अपने परिवार के साथ गांव गए थे। इसी दौरान शादाब ने उनके घर पर रेकी की और गोदरेज का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण व 2,500 रुपये नकदी चुरा ली। फरियादी की शिकायत पर कोतवाली थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। तकनीकी साक्ष्यों से पता चला कि आरोपी खंडवा भाग गया है। एसपी सांई कृष्णा के मार्गदर्शन में एसडीओपी जितेंद्र पाठक के नेतृत्व में गठित टीम ने खंडवा के सिहाड़ा गांव पहुंचकर शादाब को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने चोरी कबूल कर ली।पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

दीपनाखेड़ा थाने के ग्राम जगथर की घटना, आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं

आग से ट्रैक्टर सहित 10 लाख का सामान खाक ग्रामीणों ने एक घंटे मशक्कत कर किया काबू

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

दीपनाखेड़ा थाने के ग्राम जगथर में मकान में लगी आग से 10 लाख से ज्यादा का नुकसान हो गया। गांव में रहने वाले किसान बादल पाल का घर के पास ही बड़ा खेड़ा बना हुआ है। जिसमें 5 कच्चे कमरे बने हुए है। इन कमरों में खेती किसानी के सामान के साथ ही बड़ी मात्रा में घर के उपयोग की चीजे भी रखी रहती है। परिवार के अभी लोग अधिकतर समय यहीं पर बिताते है। बुधवार दोपहर में बादल और उनके परिवार के सभी लोग घर पर खाना खाने गए थे। इसी दौरान गांव में ही रहने वाले बच्चे ने आकर जानकारी दी कि खेड़े में स्थित मकान में से आग की लपट और धुंआ उठ रहा है। वे तुरंत ही भागते हुए मौके पर पहुंचे तो आग ज्यादा बढ़ गई थी। उन्होंने अपने परिवार के लोगों के साथ आग पर काबू का प्रयास शुरू कर दिया। कमरों में अनाज, भूसा, कपड़े और पाइप आदि रखे होने के कारण आग तेजी से बढ़ती ही जा रही थी। जब आग से आसपास के अन्य हर प्रभावित होते दिखाई दिए तो गांव के ही लोगों ने आग बुझाने के सामूहिक प्रयास शुरू कर दिए। सभी ने बाल्टी और बोरवेल के पाइप के माध्यम से आग बुझाने की कोशिशें तेज कर दी। करीब 1 घंटे तक चली मशक्कत के बाद इस आग पर काबू किया जा सका। हालांकि इस बीच कमरों में रखा सारा समान जलकर खाक हो गया था। आग लगने की जानकारी लगते ही सिरोंज नगर पालिका की दमकल भी मौके पर रवाना हुई। सिरोंज से जगथर कि दूरी करीब 30 किमी है। दमकल को वहां तक पहुंचने में करीब डेढ़ घंटा लगा। इस समय तक तक ग्रामीणों ने ही आग पर काबू कर लिया था। इसके बाद दमकल ने मौके पर पड़े सामना और आसपास पानी का छिड़काव कर आग को पूरी तरह बुझाया। जानकारी लगने पर मौके पर दीपनाखेड़ा पुलिस भी पहुंची और मौका मुआयन किया। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

गेहूं और चने से भरे बोरे भी जले

ट्रैक्टर सहित गेहूं और चने से भरे बोरे भी जले आग इतनी भयंकर थी कि लोगों को कमरों में रखा सामान निकालने का मौका भी नहीं मिल सका। हालांकि ग्रामीणों ने खेड़े के खड़े ट्रेक्टर तक पहुंचने का प्रयास भी किया लेकिन वो नहीं पहुंच सके। इस कारण ट्रेक्टर भी पूरी तरह जलकर खाक हो गया। उसमें केवल लोहे का सामान ही बच सका। बादल पाल की बेटी कीर्ति ने बताया कि हम लोग अधिकतर समय यहीं पर बिताते है। घर पर केवल खाना बनाने और खाने के लिए ही हम जाते थे। इस वजह से अधिकांश सामान यहीं पर रखा हुआ था। अनाज से भरे कई बोरे, कपड़े और खेत में पानी देने में उपयोग होने वाले सौ से ज्यादा पाइप भी जल कर खाक हो गए है। अनुमानित नुकसान 10 लाख से ज्यादा का हुआ है।

लगातार हो रही घटनाएं

कटने के बाद इस समय कई किसानों की फसल खेतों में ही रखी हुई है। वहीं कई किसान चोरी छिपे खेतों की नरवाई ने आग भी लगा रहे है। जबकि प्रशासन ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। नरवाई की इस आग की वजह से भी कई बार आगजनी की घटनाएं हो जाती है।

भाजपा स्थापना दिवस की रिपोर्टिंग में मप्र में अव्वल सिरोंज विधानसभा क्षेत्र

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग में 147, सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र ने समूचे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे विधानसभा क्षेत्र के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का विषय बन गई है। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 5 मंडलों में कुल 279 बूथ केंद्र शामिल हैं, जिनमें से 239 बूथ केंद्रों पर कार्यक्रमों की विधिवत रिपोर्टिंग की गई। विशेष रूप से 238 बूथ केंद्रों पर भव्य रूप से ध्वजवंदन कार्यक्रम सम्पन्न हुए, इसके साथ ही 817 फोटो पार्टी के अधिकृत पोर्टल पर अपलोड किए गए, जो पूरे प्रदेश में सर्वाधिक हैं। यह आंकड़े न केवल संगठन की सक्रियता को दर्शाते हैं, बल्कि बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की मजबूत उपस्थिति और जागरूकता को भी सिद्ध करते हैं। यह अभूतपूर्व सफलता क्षेत्र में मजबूत संगठनात्मक संरचना, समन्वय और सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। पांचों मंडलों में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया, जिससे यह ऐतिहासिक उपलब्धि संभव हो सकी। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह ने बताया कि विधायक उमाकांत शर्मा की सक्रिय कार्यशैली, सुदृढ़ संगठनात्मक दृष्टिकोण एवं क्षेत्र में उनकी निरंतर सक्रियता के परिणामस्वरूप सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह निरंतर संपर्क, संवाद और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय का ही प्रभाव है कि क्षेत्र ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। मीडिया प्रभारी सचिन शर्मा ने बताया कि यह गौरवशाली उपलब्धि क्षेत्र के समस्त वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता बंधुओं, मंडल अध्यक्ष, त्रिदेव, सक्रिय सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा माता-बहनों के अथक परिश्रम, समर्पण और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा का जीवंत उदाहरण है।

खाद्य सुरक्षा टीम की छापामार कार्रवाई

प्रशासन की सख्ती: कॉलोनी में बड़ी मात्रा में मावा पकड़ाया, एसडीएम की मौजूदगी में जांच जारी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर के बैहलोट बाईपास स्थित चंद्रप्रभु जैन मंदिर के पास एक कॉलोनी में प्रशासन ने भारी मात्रा में मावा जब्त किया है। यह कार्रवाई जिले से आई खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा एसडीएम की मौजूदगी में की गई। बताया जा रहा है कि शहर में बड़े स्तर पर खाद्य सामग्री के अवैध कारोबार की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर प्रशासन ने यह छापामार कार्रवाई की। मौके पर टीम द्वारा मावा की गुणवत्ता और वैधता की जांच की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जांच पूरी होने के बाद ही आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी फिलहाल टीम द्वारा सैंपल लेकर परीक्षण की प्रक्रिया जारी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मावा मानक के अनुरूप है या नहीं। प्रशासन की इस कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। अधिकारियों ने शहर की चार दुकानों के जांच की है संकेत दिए हैं कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में दुर्लभ राज गिद्ध की आमद

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढ़ई क्षेत्र में देनवा नदी किनारे एक दुर्लभ प्रजाति का गिद्ध देखे जाने से वन्यजीव प्रेमियों में उत्साह है। फॉरेस्ट विभाग इसे प्रारंभिक तौर पर किंग वल्चर (राज गिद्ध) बता रहा है, जो भारत में आमतौर पर नहीं पाया जाता। इसकी पुष्टि के लिए विभाग और पक्षी विशेषज्ञ जुट गए हैं।कामती रेंजर राहुल उपाध्याय ने बताया कि यह पक्षी हाल ही में नजर आया। तस्वीरें और जानकारी जुटाकर विशेषज्ञों को भेजी जा रही हैं। फिलहाल इसे राज गिद्ध ही माना जा रहा है। राज गिद्ध का शरीर क्रीम-सफेद होता है, पंखों के किनारे काले। सिर बिना पंखों का है, जिसमें लाल, पीले और नारंगी रंगों का अनोखा मिश्रण है। इसकी मजबूत, घुमावदार चोंच मृत जानवरों की कठोर खाल चीर सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में राज गिद्ध दुर्लभ है, इसलिए यह कोई मिलती-जुलती प्रजाति भी हो सकती है। वन विभाग सभी पहलुओं की पड़ताल कर रहा है।

माखन नगर ब्लॉक की समितियों ने गोदाम में ही गेहूं खरीदी की मांग की, अन्यथा बहिष्कार की चेतावनी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में सरकारी समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 20 दिनों की देरी के साथ आज 9 अप्रैल से शुरू हो रही है। पहले दिन केवल 5 केंद्रों पर खरीदी होगी, जबकि 10 अप्रैल से जिले के सभी 142 केंद्र सक्रिय हो जाएंगे।खरीदी शुरू होने से ठीक पहले माखननगर विकासखंड की सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधकों ने अपनी मांगों पर अड़ गए हैं। बुधवार को उन्होंने सहकारिता उपायुक्त शिवम मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर खरीदी केंद्रों को वेयरहाउस के अंदर स्थानांतरित करने की मांग की। प्रबंधकों ने चेतावनी दी कि गोदाम के अंदर ही तुलाई की अनुमति मिले, वरना वे गेहूं-चना उपार्जन में भाग नहीं लेंगे।

प्रबंधकों ने मौसम की अनिश्चितता का हवाला देते हुए कहा कि आकस्मिक वर्षा से खुले में रखे गेहूं के ढेर खराब हो जाते हैं। विलंबित परिवहन से सूखत का खतरा बढ़ता है, जिससे समिति स्तर पर अतिरिक्त खर्च होता है। गोदाम स्तर पर स्टेकिंग का भुगतान सिर्फ 7 रुपये प्रति क्विंटल मिलता है, जबकि वास्तविक खर्च 18-20 रुपये बैठता है। इससे प्रबंधकों को व्यक्तिगत नुकसान होता है।इसके अलावा आवारा मवेशियों से फसल क्षति, चोरी की आशंका, मानव संसाधन की कमी से रखवाली की समस्या, तेज धूप-गर्मी में हम्मालों की असमर्थता और बाहर से गोदाम में स्टेकिंग पर अतिरिक्त शुल्क जैसी दिक्कतें बताईं। जिले के नर्मदापुरम, सिवनीमालवा, बनापुरा समेत अन्य क्षेत्रों में पहले से गोदाम के अंदर खरीदी हो रही है।ज्ञापन देने वालों में सांगाखेड़ा कला के हेमंत परसाई, आंखमऊ के भगवान दास यादव, बाबई के श्वेता शर्मा, गनेरा की सोनू पवार, बागरा के दुष्यंत मीणा, सिरवाड़ के बृजेश मीणा, आरी के हरिओम मीणा, बागरखेड़ी के हरिओम चौहान और सौरभ चौहान शामिल रहे।

छिंदवाड़ा में 21 शराब दुकानों की नीलामी प्रक्रिया आज

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा में नीलामी से बची हुई मदिरा दुकानों के लिए एक बार फिर प्रक्रिया शुरू की गई है। आबकारी विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, जिले की 21 मदिरा दुकानों के साथ ही सौसर की 1 दुकान की नीलामी की तिथि आज 9 अप्रैल निर्धारित की गई है। शासन के निर्देशानुसार, इच्छुक आवेदक निर्धारित आरक्षित मूल्य से 35 प्रतिशत तक कम या अधिक दर पर टेंडर प्रस्तुत कर सकते हैं। अंतिम रूप से दुकान स्वीकृति का निर्णय संबंधित विभाग द्वारा लिया जाएगा।

मेट्रो एंकर

धार के ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास हुआ सड़क हादसा

दो बाइकों के बीच हुई भीषण भिड़ंत, हादसे मे तीन युवक घायल

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के बाईपास रोड पर ट्रेंचिंग ग्राउंड के समीप देर शाम दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद एक युवक की आंख तक बाहर निकल आई। अंधेरे में सड़क पर तड़प रहे घायलों को देख जिला परिवहन अधिकारी ह्रदेश यादव अपनी ही गाड़ी से उन्हें अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार, मोहनपुरा निवासी राधेश्याम पोपड़िया, विक्रम डावर और शुभांग राधेश्याम एक बाइक पर सवार थे, जिनकी भिड़ंत एक अन्य बाइक से हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और मोहनपुरा के तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर काफी अंधेरा होने के कारण घायल लहूलुहान स्थिति में वहीं पड़े रहे। उसी दौरान वहां से जिला परिवहन अधिकारी ह्रदेश यादव गुजर रहे थे। सड़क पर घायलों को देख उन्होंने तुरंत अपना वाहन रोका। यादव ने पहले एम्बुलेंस को फोन लगाया, लेकिन जब काफी देर तक एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंची और घायलों की हालत बिगड़ने लगी, तो उन्होंने समय बर्बाद न करते हुए मानवता दिखाई। आरटीओ ने अपने कर्मचारियों की मदद से तीनों घायलों को अपनी ही गाड़ी में बिठाया और तुरंत जिला अस्पताल लेकर रवाना हुए।जिला अस्पताल पहुंचते ही आरटीओ ने डॉक्टरों को सक्रिय किया और इमरजेंसी वार्ड में घायलों का उपचार शुरू करवाया। डॉक्टरों के अनुसार, समय पर अस्पताल पहुंचने और प्राथमिक उपचार मिलने की वजह से तीनों युवकों की जान बच सकी है। हालांकि, हादसे में घायल एक युवक की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है।

मिर्ची व्यापारी की लुट के बाद हत्या में खुलासा: पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर रची पति की हत्या की साजिश, दोनों गिरफ्तार

प्रेमी को दी थी एक लाख की सुपारी, हत्या को दिया था लूट का रूप

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम गोंदीखेड़ा चारण में हुई सनसनीखेज लूट और हत्या की गुत्थी को पुलिस ने महज कुछ ही घंटों में सुलझा लिया है। जिसे पत्नी ने अज्ञात बदमाशों का हमला बताकर लूट का रूप दिया था, वह असल में प्रेम संबंधों के चलते रची गई एक खौफनाक साजिश निकली। पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि हत्या की सुपारी लेने वाला सह आरोपी फरार है, जिसकी तलाश पुलिस टीमों द्वारा की जा रही है। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूरी वारदात का खुलासा कर दिया है। 7 अप्रैल की रात को प्रियंका पुरोहित ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर उसके पति देवकृष्ण की धारदार हथियार से हत्या कर दी और उसे बंधक बनाकर सोने-चांदी के जेवर व नकदी लूट ले गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी

अनुराग और एसपी मयंक अवस्थी के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया।

शुरुआती जांच में ही पुलिस को प्रियंका के बयानों पर संदेह हुआ। साइबर टीम, डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स की मदद से जुटाए गए तकनीकी साक्ष्यों ने शक की सुई पत्नी की ओर मोड़ दी। जब महिला पुलिस की उपस्थिति में प्रियंका से कड़ाई से पूछताछ की गई, तो वह टूट गई और अपना जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि प्रियंका का राजगढ़ निवासी कमलेश पुरोहित के साथ प्रेम प्रसंग था। पति देवकृष्ण को रास्ते से हटाने के लिए प्रेमी कमलेश ने अपने दोस्त सुरेन्द्र पिता प्रतापसिंह भाटी निवासी छण्डावद को एक लाख रुपये की फिरौती दी थी। साजिश के तहत हत्या को लूट का रंग देने के लिए घर से गहने और नकदी गायब किए गए थे, सुपारी की कुछ राशि भी दोनों ने सुरेंद्र को दी थी, अन्य बकाया राशि देने से पहले की हत्याकांड का खुलासा हो गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी राजोद रामसिंह राठौर, थाना प्रभारी तिरला ज्योति पटेल, थाना प्रभारी सरदारपुर अनिल जाधव, थाना प्रभारी राजगढ समीर पाटीदार, थाना प्रभारी अमझेरा राजू मकवाना, उप निरीक्षक हिना जोशी, चौकी प्रभारी रिंगनोद उप निरीक्षक गुलाब भयडिया, रमिला पचाया व सायबर सेल प्रभारी प्रशांत गुंजाल, सायबर सेल धार टीम के . सर्वेशसिंह सोलंकी, बलराम भंवर, .प्रशांत सिंह चौहान, रोहित नरगावे, मनीष पाल, आर शुभम का विशेष योगदान रहा है।

पूर्व में रचा था हत्या का षड़यंत्र

पुलिस पुछताछ में प्रियंका ने बताया कि वह पूर्व में भी अपने प्रेमी कमलेश पुरोहित के साथ पति देवकृष्ण की हत्या का प्रयास कर चुकी है थी, लेकिन दोनों विफल हो गए थे, दोनों एक दूसरे को 2021 से जानते थे, प्रियंका और कमलेश में बातचीत को लेकर पत्नी और पति में विवाद भी हुआ था, जिसके बाद वह कुछ दिन अपने मायके भी रहने चली गई थी। वारदात वाली रात कमलेश और सुरेंद्र को प्रियंका ने ही घर में प्रवेश कराया था, जब पति देवकृष्ण अपने पलंग पर सो रहा था, तभी प्रियंका ने दोनों को इशारा किया और सिर में धारदार हथियार से हमला कर दिया और उठने का मौका ही नही दिया, हत्या के बाद तीनों में 15 मिनट तक बातचीत भी हुई थी जिसमें वारदात के बाद प्रियंका को शोर मचाकर अन्य लोगों को लूट की घटना के बारे में बताना भी तय किया गया था।

न्यूज विंडो

वारासिवनी रेलवे ओवरब्रिज कल से आवागमन के लिए खुलेगा

बालाघाट। वारासिवनी रेलवे ओवरब्रिज 10 अप्रैल से आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह पुल क्षेत्र की जनता को समर्पित किया जाएगा। विधायक विवेक पटेल ने इसकी जानकारी दी।पुल के विधिवत उद्घाटन से पहले, विधायक विवेक पटेल ने ओवरब्रिज का निरीक्षण किया। इस ओवरब्रिज में से आवागमन बेहतर होगा, बल्कि क्षेत्र की जनता को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।

उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल्द डॉक्टरों की पोस्टिंग की घोषणा की

डिंडौरी। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी डिंडौरी जिले के शहपुरा के बरगांव स्थित जनजातीय कल्याण केंद्र पहुंचे। वे यहां नर्मदांचल विद्यापीठ में बाउंड्री वॉल और शिक्षक भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल्द डॉक्टरों की पोस्टिंग की घोषणा की। उन्होंने बताया कि आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों की मार्च के अंत में कुछ समस्याएं थीं, जिनका निराकरण कर दिया गया है और वेतन भुगतान के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर बालिकाओं ने सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जबकि छात्रों ने मलखंभ का प्रदर्शन किया।

खेत में भूत-प्रेत की अफवाह, मदद मांगने एसडीएम के पास पहुंचा किसान

कटनी। जिले के ढीमरखेड़ा तहसील के ग्राम अंतर्वेद गनियारी में एक किसान की पकी हुई गेहूं की फसल की कटाई भूत-प्रेत की अफवाह के कारण रुकी हुई है। जिसके बाद पीड़ित किसान ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। ग्राम अंतर्वेद गनियारी निवासी किसान चक्रेश मिश्रा ने एसडीएम को दिए लिखित आवेदन में बताया कि उनके तीन एकड़ खेत में गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार है। आरोप है कि क्षेत्र के हार्वेस्टर संचालकों और उनके एजेंटों ने जानबूझकर यह भ्रामक खबर फैलाई है कि खेत में भूत-प्रेत का साया है।

नैनपुर में दो खेतों में लगी भीषण आग बड़े पैमाने पर गेहूं की फसल चौपट

मंडला। जिले के नैनपुर में आगजनी की दो घटनाओं ने तीन किसानों की फसल चौपट कर दी। इन हादसों में कुल 23 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई है। ग्राम तिन्दुआ बम्हनी में मोहम्मद इकलाख खान के खेत में आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और पटवारी ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया है। हालांकि घटना से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन बड़े पैमाने पर फसल जरूर बर्बाद हो गई है।

थोक सब्जी मंडी समिति ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, हमलावरों पर सख्त कार्रवाई की मांग

सब्जी चोरी का विरोध करने पर किसानों और व्यापारियों पर तलवारों से हमला

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के न्यू आरटीओ ऑफिस स्थित थोक सब्जी मंडी में बुधवार सुबह बदमाशों ने व्यापारियों और किसानों पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। घटना सुबह करीब 8 बजे की है। बताया जा रहा है कि आरोपी लंबे समय से मण्डी में चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे, जिसका विरोध करने पर उन्होंने मारपीट शुरु की थी। थोक सब्जी मंडी में हुए हमले से आक्रोशित थोक सब्जी व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी को एक ज्ञापन भी सौंपा है।

ज्ञापन में व्यापारियों ने बताया कि आमखेड़ा निवासी रुपेश और भेरू नामक युवक व्यापारी राजेश पटेल उर्फ हीरालाल की सब्जी चोरी कर रहे थे, तभी राजेश ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। कुछ ही देर में आरोपी अपने साथ 10 से 15 अन्य औजारों के साथ बदमाशों को बुला लाए। बदमाशों ने मण्डी में घुसते ही मारपीट शुरु कर दी, बीच-बचाव करने आए अड़तियागण और व्यापारियों पर भी हमला कर दिया, हमले में संजय को सिर में तलवार लगी है, गौरव को हाथ में और पीठ पर चोंटे आई है जबकि राजेश को भी पसली और कमर में चोटे आई है। मारपीट के दौरान संजय और राजेश की बहन ज्योति परमार भी बीच बचाव में आई तो सिर पर लट्ठ और हाथ पर लोहे की रॉड से हमला किया गया।

हफ्ता दो वरना झूठे केस में फंसा देंगे

व्यापारियों का आरोप है कि भक्ताम्बर, आमखेड़ा और ज्ञानपुरा क्षेत्र के ये गुंडे दिन हफ्ता वसूली करते हैं। विरोध करने पर ये बदमाश झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। बदमाशों ने खुलेआम चुनौती दी है कि अगर मण्डी में व्यापार करना है, तो उन्हें हफ्ता देना ही होगा। घटना के बाद मंडी में भय का माहौल है। कोतवाली पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है, लेकिन व्यापारियों और किसानों में भारी रोष है। मण्डी संघ और किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषी बदमाशों और उनके साथियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। मण्डी परिसर और आसपास के क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्थायी पुलिस चौकी स्थापित की जाए।

होनहार बेटे ने बढ़ाया नगर का मान, संभव जैन बने डॉक्टर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है नगर के प्रतिभाशाली युवा डॉ. संभव जैन, पिता शरद जैन, ने भोपाल से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर अपने परिवार, समाज एवं समूचे नगर का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता ने न केवल उनके परिजनों बल्कि नगर के प्रत्येक नागरिक का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। भोपाल में अपने निवास पर क्षेत्रीय विधायक एवं राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह ने भी डॉक्टर संभव जैन का स्वागत किया है और अपनी शुभकामनाएं दी हैं डॉ. संभव जैन की यह उपलब्धि उनके अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प और निरंतर समर्पण का प्रतिफल है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने जिस लगन और मेहनत से अपने लक्ष्य को प्राप्त किया, वह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी सफलता

यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर हो, तो कोई भी बाधा सफलता के मार्ग में रुकावट नहीं बन सकती। नगरवासियों ने उनकी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता की ऊंचाइयों को छूते रहें और अपने ज्ञान एवं सेवा भाव से समाज की सेवा करते हुए देश का नाम रोशन करें। डॉ. संभव जैन का यह सम्मान पूरे नगर के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

बेमौसम बारिश में सफाई व्यवस्था की खुली पोल, सड़कों पर गंदगी और घरों में घुसा पानी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं आसपास क्षेत्र में बीती रात लगभग तीन बजे से रुक-रुक कर हुई झमाझम बारिश ने नगर परिषद की सफाई व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। बारिश के चलते विद्युत व्यवस्था भी रात्रि में बंद हो गई बेमौसम हुई इस तेज बारिश के चलते नालियों की सफाई की वास्तविक स्थिति सामने आ गई, जहां जगह-जगह जाम नालियों से गंदगी उफनकर सड़कों पर फैल गई। इससे पूरे नगर में गंदगी का माहौल बन गया और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह के समय मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं सहित दैनिक कार्यों के लिए निकलने वाले नागरिकों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सड़कों पर जलभराव और फैली गंदगी के कारण आवागमन बाधित रहा तथा कई स्थानों पर लोगों को कीचड़ और दूषित पानी से होकर गुजरना पड़ा। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि नगर के कई घरों में बारिश का पानी भी प्रवेश कर गया, जिससे घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा और लोगों में चिंता का माहौल बन गया। इस घटना ने नगर परिषद की सफाई व्यवस्था और जल निकासी प्रबंधन पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों पहलाद साहू, छोटू केवट का कहना है कि यदि समय रहते नालियों की समुचित सफाई की गई होती, तो इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न नहीं होती। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचा जा सके। नगरवासियों को उम्मीद है कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्रवाई करेगा और नगर की व्यवस्था को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाएगा।

मेट्रो एंकर ग्राम पंचायत इमलीडोल के आश्रित ग्राम जरुआ का चिंताजनक हाल

गांव में मूलभूत सुविधाएं न होने से युवाओं के नहीं हो रहे विवाह, पलायन करना मजबूरी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत इमलीडोल के आश्रित ग्राम जरुआ का हाल चिंताजनक है। यह गांव बिजली, पानी और पक्के सड़क मार्ग जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। गांव मुख्य मार्ग से लगभग 5 किलोमीटर दूर जंगली क्षेत्र में स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए जंगली मार्ग या कच्चे मार्ग से होकर जाना पड़ता है, जो गड्ढों और नालों से भरा है। इन कठिन रास्तों के कारण ग्रामीणों का आवागमन बेहद कठिन और जोखिम भरा है। पिछले वर्ष जरुआ ग्राम के लोगो ,ग्राम सरपंच एवं महिलाएं भी शामिल थीं, ने जिला कलेक्टर से मिलकर सड़क बनाने की मांग की थी। इसके लिए गांव के सरपंच और ग्रामीणों ने आवेदन किया था। कलेक्टर ने नवंबर से सड़क निर्माण का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक इस आश्वासन को पूरा नहीं किया गया। ग्रामीण इस स्थिति से निराश हैं

और प्रशासन की अनदेखी को गंभीर समस्या मान रहे हैं। गांव के लोग बताते हैं कि यह स्थिति उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा बना रही है। पानी और सड़क जैसी सुविधाओं के अभाव में आधा गांव पलायन कर चुका है। जो लोग बचे हैं, वे कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं। जरुआ गांव में आदिवासी और यादव समाज के लोग अधिक हैं। यहां के लोग बताते हैं कि पानी की कमी और खराब आवागमन के कारण बच्चों की शादी करना भी मुश्किल हो गया है। कई परिवार अपनी बेटियों की शादी के लिए पहले दूसरे गांव में आवास बनाते हैं, फिर वहां शादी संपन्न होती है। यह स्थिति बताती है कि मूलभूत सुविधाओं के अभाव में ग्रामीण सामाजिक और पारिवारिक जीवन में भी बाधाओं का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों की माने तो यदि शासन और प्रशासन तुरंत संज्ञान न लें और मूलभूत सुविधाओं का विकास न करें, तो पलायन और सामाजिक असमर्थता और बढ़ेगी। बिजली, पानी, सड़क और आपातकालीन सुविधाओं की सख्त जरूरत है, ताकि जरुआ गांव के लोग अपने गांव में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें। इस संबंध में सहायक यंत्री हरि कृष्ण राज का कहना है कि इमलीडोल से जरुआ की सड़क प्रधानमंत्री में स्वीकृत हो चुकी है शीघ्र ही टेंडर होने वाले हैं टेंडर के बाद सड़क बनाने का काम शुरू होगा।

चोरी का संदेही आरोपी हथकड़ी सहित भाग निकला

धार। दोपहर मेट्रो

महाराष्ट्र में हुई चोरी के प्रकरण की विवेचना करते हुए स्थानीय पुलिस टीम खरगोन तक पहुंची थी। सर्चिंग के दौरान महाराष्ट्र पुलिस ने संदेही फरीद पिता मंजुर खान उम्र 40 साल को हिरासत में लिया व आगे की कार्यवाही के लिए जलगांव लेकर जा रही थी। जिले के खलघाट टोल के समीप संदेही फरीद ने पुलिस वाहन को बाथरुम का बहाना बनाकर रुकवाया, पुलिसकर्मी संदेही को रोड से कुछ दूरी पर लेकर पहुंचे तो आरोपी फरीद हथकडी सहित पुलिस अभिरक्षा से भाग गया। महाराष्ट्र पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में तलाश की, किंतु नहीं मिलने पर धार पुलिस से संपर्क किया। अब पुलिस ने संदेही आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी है। हालांकि अभी तक पुलिस कस्टडी से भागा आरोपी नहीं मिला है। दरअसल महाराष्ट्र के जलगांव जिला अंतर्गत अमनेर थाने पर पदस्थर उनि नामदेव बोरकर पुलिस की एक टीम को लेकर खरगोन जिले के कसरावद पहुंचे थे। चोरी के प्रकरण में संदेही व आगामी पूछताछ के लिए जलगांव पुलिस ने फरीद खान को हिरासत में लिया व कल देर रात महाराष्ट्र की और रवाना हुई। धामनोद थाना अंतर्गत एबी रोड से पुलिस का प्रायवेट वाहन संदेही को लेकर जा रहा था तभी रास्तेक में फरीद ने बाथरुम जाने का बोलेकर गाडी को रुकवाया था। फरार आरोपी फरीद खान अमलनेर थाने के अपराध क्रमांक 157/26 में संदेही था। उस पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज है।

15 साल के वैभव की भावुक करने वाली कहानी

सूर्यवंशी ने बदली ताजपुर की पहचान बन गए बिहार के सपनों का नया चेहरा

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार के समस्तीपुर जिले का छोटा सा कस्बा ताजपुर, जहां आज भी जिंदगी की रफ्तार चाय के कपों में मापी जाती है, अब भारतीय क्रिकेट के नक्शे पर उभरता हुआ नाम बन चुका है। कभी शांत और साधारण रहा यह इलाका अब एक नई पहचान से जाना जाता है- वैभव सूर्यवंशी का घर। पेड़ों से घिरी सड़कों, खेतों और छोटे-छोटे घरों के बीच पला-बढ़ा यह लड़का आज लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुका है। मंगलवार को जब वैभव ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ओवर में दो छक्के लगाए तो सब हैरान रह गए। वैभव को हमेशा से स्पेशल टैलेंट कहा जाता रहा है, लेकिन मंगलवार को उन्होंने इसे साबित भी किया। इस आईपीएल में वैभव को लेकर जो क्रेज है, शायद ही वैसा क्रेज किसी और को खेलते देखने के लिए है।

वैभव सूर्यवंशी की कहानी उनके पिता संजीव सूर्यवंशी के बिना अधूरी है। संजीव खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे, लेकिन उस दौर में बिहार को बीसीसीआई से मान्यता नहीं मिलने के कारण उनका सपना अधूरा रह गया। संजीव ने अपने संघर्ष के दिनों में मुंबई का रुख किया। वहां उन्होंने शिपिंग यार्ड में काम किया, पोर्ट पर मेहनत की और कभी-कभी नाइट क्लब में बाउंसर तक बने। उनके एक करीबी राजेश झा ने क्रिकेट मंथली को बताया, %वैभव के पिता को एक्टिंग का भी शौक था, लेकिन जिंदगी चलाने के लिए उन्हें कई तरह के काम करने पड़े।% करीब एक दशक तक संघर्ष करने के बाद संजीव वापस ताजपुर लौट आए और पारिवारिक ज्वेलरी की दुकान संभालने लगे, लेकिन क्रिकेट के प्रति उनका जुनून कभी कम नहीं हुआ।

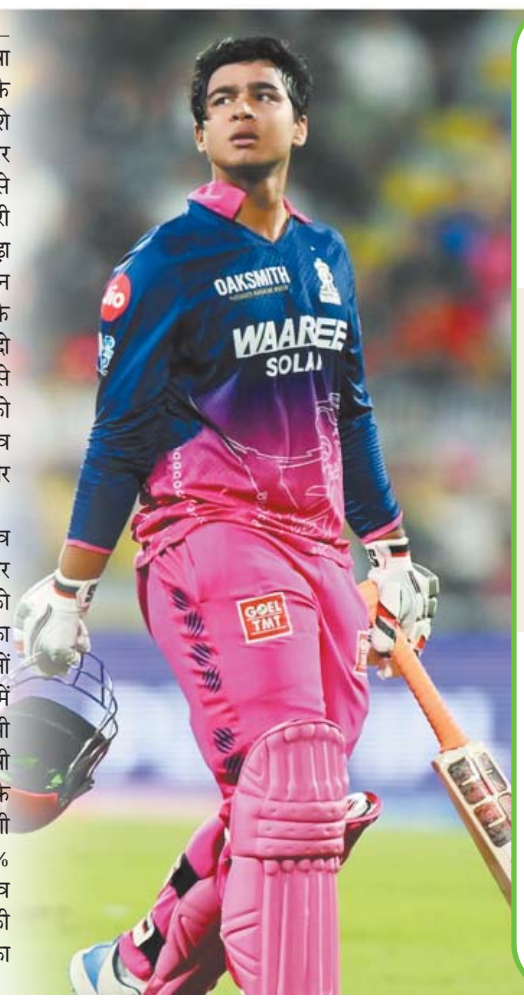

100 किमी साइकिल और जुनून की मिसाल

संजीव के क्रिकेट प्रेम का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह अपने किशोर दिनों में हर साल 100 किलोमीटर साइकिल चलाकर पटना जाते थे, सिर्फ एक टूर्नामेंट का फॉर्म लेने के लिए। यही जुनून उन्होंने अपने बेटे में भी उतारा। वैभव को उनके चौथे जन्मदिन पर पहली बार बैट दिया गया। तभी से उनके खेल में कुछ अलग नजर आने लगा था। 2018 के आसपास जब उनकी प्रतिभा खुलकर सामने आई, तो संजीव ने फिर से वही संघर्ष शुरू किया, लेकिन इस बार बेटे के लिए।

200 किमी का रोजाना सफर: पिता का त्याग

संजीव ने एक सेकंड-हैंड एसयूवी खरीदी और हर दूसरे दिन ताजपुर से पटना के बीच 200 किलोमीटर का सफर तय करना शुरू किया। पटना के संपतचक में स्थित जेन नेक्स्ट क्रिकेट अकादमी में वैभव को ट्रेनिंग दिलाई जाती थी, जहां कोच मनीष कुमार ओझा उन्हें ट्रेनिंग देते थे। यह सफर आसान नहीं था। तीन घंटे का एकतरफा रास्ता, सुबह चार बजे उठना और देर रात घर लौटना, यही दिनचर्या बन चुकी थी। कोच ओझा ने क्रिकेट मंथली को बताया, हर दिन सुबह चार बजे उठकर 100 किलोमीटर आना, ट्रेनिंग करना और फिर लौटना, यह आसान नहीं था। लेकिन वैभव और उनके पिता ने कभी हार नहीं मानी।

600 गेंद रोज, सिर्फ अटैक पर फोकस

वैभव की ट्रेनिंग भी उतनी ही कठोर थी। ओझा बताते हैं, मैं आमतौर पर बच्चों को 200-250 गेंदें खिलाता हूं, लेकिन वैभव के लिए कोई गिनती नहीं थी। वह कम से कम 600 गेंद रोज खेलता था।% सबसे खास बात यह थी कि वैभव को डिफेंस नहीं, बल्कि अटैक सिखाया गया। हर गेंद पर नए शॉट्स और नए विकल्प विकसित करने पर ध्यान दिया गया। वैभव ने अपने शुरुआती साल समस्तीपुर के एक बड़े मैदान में बिताए, जहां सैकड़ों बच्चे अलग-अलग खेल खेलते थे। उनके पहले कोच ब्रजेश झा बताते हैं, जब वह सिर्फ नौ साल का था, तब भी उसका खेल 14-15 साल के लड़के जैसा परिपक्व था।

आईपीएल 2026: राजस्थान रॉयल्स का दबदबा

अंक तालिका से लेकर ऑरेंज कैप तक, हर जगह छाई गुलाबी जर्सी

गुवाहाटी, एजेंसी

आईपीएल 2026 का 13वां मुकाबला गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया। इस मैच में आरआर ने मुंबई इंडियंस को 27 रन से हराकर अंकतालिका में शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखा है। आइए अंकतालिका पर नजर डालते हैं। राजस्थान रॉयल्स तीन मैचों में तीन जीत के साथ छह अंक लेकर पहले स्थान पर है। पंजाब किंग्स तीन मैचों में दो जीत और एक रद्द मैच से पांच अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु दो मैचों में दो जीत के साथ चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स दो मैचों में दो जीत के साथ चार अंक लेकर चौथे स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद तीन मैचों में एक जीत और दो हार के बाद दो अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। एलएसजी दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दो अंक लेकर छठे स्थान पर है। मुंबई इंडियंस तीन मैचों में एक जीत और दो हार के साथ दो अंक लेकर सातवें स्थान पर है।

कोलकाता नाइट राइडर्स तीन मैचों में दो हार और एक रद्द मैच से मिले एक अंक लेकर आठवें स्थान पर है। गुजरात टाइटंस ने अपने दोनों मैच गंवाए हैं और नौवें स्थान पर है, जबकि सीएसके अपने तीन मैच गंवाकर दसवें स्थान पर है। समान अंकों के बावजूद अंकतालिका में टीमों की रैंकिंग रन रेट के आधार पर तय की गई है।

आईपीएल 2026 अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक
राजस्थान रॉयल्स	3	3	0	0	6 +2.403
पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5 +0.637
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4 +2.501
दिल्ली कैपिटल्स	2	2	0	0	4 +1.170
सनराइजर्स हैदराबाद	3	1	2	0	2 +0.275
लखनऊ सुपर जाएंट्स	2	1	1	0	2 -0.542
मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	2 -0.715
कोलकाता नाइट राइडर्स	3	0	2	1	1 -1.964
गुजरात टाइटंस	2	0	2	0	0 -0.424
चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0 -2.517

सीए का महिला क्रिकेटरों के लिए कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान, अनकैप्ड आइंसवर्थ को मिली जगह

मेलबर्न, एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2026-27 सत्र के लिए महिला क्रिकेटरों के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है। कॉन्ट्रैक्ट में लूसी हैमिल्टन और क्लो आइंसवर्थ जैसे नए चेहरे शामिल किए गए हैं। 18 सदस्यों वाली इस टीम में पिछले साल की तुलना में 3 बदलाव हुए हैं। तस्मानिया की ऑलराउंडर निकोला कैरी को फिर से मौका दिया गया है। बाएं हाथ की युवा तेज गेंदबाज हैमिल्टन ने रैंक में तेजी से आगे बढ़ने के बाद अपना पहला कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। 19 साल की इस खिलाड़ी ने मार्च में सिर्फ तीन सप्ताह के अंदर तीनों फॉर्मेट में सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था। 2025 में अंडर-19 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करने के बाद वह होबार्ट में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान सीनियर टीम में शामिल हुईं, जिसके तुरंत बाद वाका ग्राउंड पर उनका टेस्ट डेब्यू हुआ। उन्होंने अपने इस शानदार महीने का अंत सेंट विंसेंट में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच से किया। पश्चिम ऑस्ट्रेलिया की 20 साल की तेज गेंदबाज आइंसवर्थ ने अब तक राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू नहीं किया है, इसके बावजूद उन्हें कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया है। 2023 में पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ आने के बाद से उन्हें एक होनहार खिलाड़ी माना जा रहा है। उन्होंने विमेंस बिग बैश लीग के तीन सीजन में 22.30 की औसत और सात से कम के इकॉनमी रेट से 40 विकेट लिए हैं।

बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट

वैष्णवी ने जीत दर्ज कर भारत को दिलाई बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

युवा वैष्णवी अडकर ने वापसी करते हुए बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशियाना ग्रुप एक मुकाबले के पहले एकल मैच में आइशी दास को सीधे सेट में 6-2, 6-4 से हराकर भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 की बढ़त दिलाई। पदार्पण कर रही वैष्णवी को मंगलवार को अपने पहले मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा था जिससे भारत वर्षा से प्रभावित मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 1-2 से हार गया था। दोबारा जिम्मेदारी मिलने पर वैष्णवी ने काफी सुधार दिखाया। उन्होंने सहज गलतियां कम की और बेहतर नियंत्रण के साथ शॉट खेले जिससे न्यूजीलैंड की खिलाड़ी को एक घंटे 30 मिनट में हराने में सफल रहीं। दूसरे एकल में सहजा यमलापल्ली का मुकाबला वैलेंटिना इवानोव से होगा जबकि रुतुजा भोसले और अंकिता रैना की जोड़ी महिला युगल में मोनिक बैरी और एरिन रूटलिफ से भिड़ेगी।

थाईलैंड से हार गया था भारत

इससे पहले रुतुजा भोसले और अंकिता रैना की युगल मुकाबले में जीत के बावजूद भारत सहजा यमलापल्ली की तीन सेट तक चले मुकाबले में पैचरिन चीपचंदेज से पराजय के कारण बारिश से प्रभावित अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड से 1-2 से हार गया था। विश्व रैंकिंग में 384वें स्थान पर काबिज सहजा पर बहुत कुछ निर्भर था। यह मैच

भोसले और रैना ने क्लीन स्वीप से बचाया

इसके बाद भोसले और रैना की युगल जोड़ी ने थासापोर्न नाकलो और पेंगटार्न प्लिप्यूच को एक घंटे और 11 मिनट में 6-3, 6-4 से हराकर थाईलैंड को क्लीन स्वीप नहीं करने दिया। भारतीय कप्तान विशाल उप्पल ने कहा, हमें पहले से ही पता था कि थाईलैंड एक बहुत अच्छी टीम है। हमें वास्तव में अच्छे खेल का प्रदर्शन करना होगा। दुर्भाग्य से इस मुकाबले में हम वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए जैसा चाहते थे। लेकिन युगल मैच में जीत हमारे लिए सकारात्मक है। अभी टूर्नामेंट में काफी मुकाबले खेले जाने हैं और इसलिए प्रत्येक जीत मायने रखती है। सहजा ने निर्णायक सेट में 3-4 के स्कोर पर खेल फिर से शुरू करते हुए फोरहैंड शॉट बाहर मार दिया और पैचरिन ने अपनी सिंवस बरकरार रखते हुए 5-3 की बढ़त बना ली।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

भूमिका चावला ने साझा की 28 साल पुरानी यादें, अपने फिल्मी सफर की दिखाई झलक

मुंबई । बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री भूमिका चावला ने जीवन के 28 साल पुराने पन्नों को याद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए अपनी फिल्मी यात्रा और जीवन में निभाए गए कई अलग-अलग रोल्स के अनुभवों को फैंस के साथ साझा किया।

भूमिका ने इंस्टाग्राम पर कुछ पुराने फोटो शेयर किए, जिन्हें मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी ने शूट किया था। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, कितना समय बीत गया हैज जीवन तस्वीरों में कैद हैज 1998 की ये तस्वीर है, 28 साल कैसे निकल गए, लगता है जैसे एक उम्र बीत गई। भूमिका ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने अलग-अलग किरदारों के बारे में भी लिखा। उन्होंने कहा, ÷जीवन में मैंने कई भूमिकाएं निभाईं - एक बेटी, पत्नी, मां, बहन और दोस्त। इन सभी अनुभव ने मुझे मजबूत बनाया और जीवन की सीख प्रदान की। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जीवन में सफलता और असफलता दोनों ही आती हैं। इन दोनों से ही इंसान सीखता है और मजबूत बनता है। फिल्मी दुनिया में आने से पहले और उसके दौरान कई चुनौतियां थीं, लेकिन हर चुनौती ने उन्हें और यादा समझदार और बहुआयामी कलाकार बनाया।

भूमिका का असली नाम है रचना चावला

अभिनेत्री के बारे में बात करें, तो भूमिका का असली नाम रचना चावला है। उन्होंने 2000 में तेलुगु फिल्म युवकुडु से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई सफल साउथ इंडियन फिल्मों में काम किया, जिनमें जय चिरंजीवी, सिल्लुनू ओरु काधल, बद्री, खुशी, ओक्काडु, सिंहाद्री और मिडिल क्लास अब्बाई शामिल हैं। भूमिका का बॉलीवुड डेब्यू फिल्म तेरे नाम (2003) से हुआ, जिसमें उन्होंने सलमान खान के साथ काम किया। यह फिल्म तमिल फिल्म सेथु की रीमेक थी और रिलीज के समय इसे कल्ट क्लासिक माना गया। भूमिका चावला को आखिरी बार फिल्म स्कूल में देखा गया, जो 2025 में तमिल में रिलीज हुई थी। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन आर. के. विद्याधरन ने किया।

इस बीट पर कंट्रोल मुश्किल, गाने चुम्मा लेला राजा जी पर जिम में डांस करतीं अक्षरा सिंह

मुंबई । भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री और सिंगर अक्षरा सिंह ने हाल ही में रिलीज हुए अपने नए गाने चुम्मा लेला राजा जी के साथ सोशल मीडिया पर खूब हलचल मचा दी है। गाना रिलीज होते ही तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस के बीच इसका क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इसके बीच अक्षरा ने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया, जिसमें वह गाने की बीट पर शानदार डांस मूव्स दिखाती नजर आ रही। अक्षरा सिंह के इंस्टाग्राम पोस्ट की बात करें तो वीडियो में वह जिम लुक में नजर आ रही हैं। उनके बालों की चोटी बनाई हुई है और हर डांस मूव में उनकी एनर्जी साफ झलक रही है। वीडियो में वह चुम्मा लेला राजा जी के हर एक लाइन पर परफेक्ट डांस करती दिख रही।पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, इस बीट पर कंट्रोल करना मुश्किल है.. जिम में ही रील बना लिया... आप भी ट्राई करके देख लो। गाने चुम्मा लेला राजा जी की बात करें तो यह रोमांटिक और एनर्जी से भरपूर गाना है। इसमें अक्षरा सिंह और सनम जौहर की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। गाने के लिरिक्स यादव राज ने लिखे हैं, जबकि म्यूजिक विनय विनायक ने कंपोज किया है। गाने का निर्देशन मोहित सरीन ने किया है। अक्षरा सिंह का करियर भोजपुरी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काफी लंबा और सफल रहा है। उनका जन्म बिहार में हुआ था और उन्होंने अभिनय की शुरुआत 2010 में फिल्म सत्येमव जयते से की थी, जिसमें उन्होंने रवि किशन के साथ काम किया। इसके बाद 2011 में उन्होंने %प्राण जाए पर वचन न जाए में अभिनय किया। 2016 में रोमांटिक ड्रामा ए बलमा बिहार वाला में खेसारी लाल यादव के साथ नजर आईं और 2017 में एक्शन ड्रामा सत्या, तबादला और मां तुझे सलमा में पवन सिंह के साथ काम किया।

मेट्रो बाजार

हुंडई मोटर्स ने 1 मई से कीमतों में 1% तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया

नई दिल्ली । दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने बुधवार को कीमतों में एक प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया। नई कीमतें एक मई से प्रभावी होंगी। एक्सचेंज फाइलिंग में अनुसार, कंपनी ने मूल्य वृद्धि के पीछे विभिन्न लागत वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि वृद्धि की मात्रा वेरिएंट और मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी।

एचएमआईएल ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, ÷कंपनी का प्रयास हमेशा बढ़ती लागतों को वहन करना रहा है ताकि हमारे ग्राहकों को मूल्य में उतार-चढ़ाव से बचाया जा सके। हालांकि, इनपुट लागतों में वृद्धि के कारण, इस प्रभाव के एक हिस्से को मामूली मूल्य संशोधन के माध्यम से ग्राहकों पर डालना आवश्यक हो गया है। मार्च 2026 में एचएमआईएल ने 69,004 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.5 प्रतिशत अधिक है। इसमें से घरेलू बिक्री 55,064 यूनिट्स रही है। कंपनी ने मार्च के किसी भी महीने में घरेलू बिक्री का अब तक का उच्चतम स्तर दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.3 प्रतिशत अधिक है। जनवरी से मार्च 2026 की अवधि में कुल बिक्री 2,08,275 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बयान में कहा कि चौथी तिमाही में घरेलू बिक्री 1,66,578 यूनिट्स रही हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.5 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी की स्थापना के बाद से घरेलू बिक्री का अब तक का उच्चतम तिमाही आंकड़ा है। कंपनी का निर्यात 9.4 प्रतिशत बढ़कर 41,697 यूनिट्स हो गया।

अदाणी ग्रुप 3 प्रोजेक्ट्स में करेगा 33,081 करोड़ का निवेश; मिलेंगी 9,700 नौकरियां

भुवनेश्वर । अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने बुधवार को ओडिशा में तीन बड़े प्रोजेक्ट्स के तहत 33,081 करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा की। इन प्रोजेक्ट्स से कुल 9,700 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

करण अदाणी ने बताया कि पहला प्रोजेक्ट भुवनेश्वर में एक डेटा सेंटर का है, जिसमें 800 करोड़ रुपए का निवेश होगा। उन्होंने कहा कि इससे डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा और करीब 200 लोगों को रोजगार मिलेगा। दूसरा प्रोजेक्ट कटक के पास एक बड़ा थर्मल पावर प्लांट है, जिसकी लागत 30,181 करोड़ रुपए है। इससे करीब 7,000 नौकरियां पैदा होंगी और उद्योगों व घरों के लिए बिजली आपूर्ति मजबूत होगी। तीसरा प्रोजेक्ट कटक के पास ही एक सीमेंट निर्माण यूनिट का है, जिसमें 2,100 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इससे करीब 2,500 लोगों को रोजगार मिलेगा और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

करण अदाणी ने कहा, ये प्रोजेक्ट्स सिर्फ निवेश नहीं हैं, बल्कि यह विश्वास का प्रतीक हैं। यह दिखाता है कि ओडिशा अब विकास के मोड़ पर नहीं, बल्कि विकास के दौर में है और भारत की औद्योगिक प्रगति का अगला अध्याय यहीं लिखा जाएगा। उन्होंने यहां औद्योगिक परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी ओडिशा में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रही है और राज्य के विकास के लिए लंबे समय तक काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अदाणी ग्रुप सिर्फ प्रोजेक्ट्स में निवेश नहीं कर रहा, बल्कि ओडिशा को एक बड़े आर्थिक हब के रूप में विकसित करने में योगदान दे रहा है। करण अदाणी ने कहा, ओडिशा अब एक ऐसा राज्य बन चुका है, जो अपनी दिशा और विकास के रास्ते को अच्छी तरह समझता है।

अब पर्यटकों को लुभा रहा है, कभी आतंक के साये में रहने वाला इलाका

धान के कटोरे छत्तीसगढ़ में अब पूरे होते नारियल की खेती के मंसूबे

कोंडागांव, जगदलपुर से लौटकर राजेश सिरोठिया

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से आगे बढ़कर जैसे ही हम कोंडागांव इलाके में पहुंचते हैं, यहीं से पहले नक्सिलियों की दस्तक शुरू हो जाती थी। खौफजदा माहौल में रोजगार की बात तो दूर जिंदगी महफूज बनाए रखना पहली शर्त थी। बदले हालात में छत्तीसगढ़, खासतौर से बस्तर संभाग में फैले सभी 9 जिलों में पर्यटन तेजी से पनप रहा है। इससे स्थानीय रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ीं हैं। यही नहीं धान के कटोरे के नाम से मशहूर यह क्षेत्र अब नारियल जैसे वैकल्पिक और ज्यादा कमाई वाले उत्पादों की खेती की ओर भी बढ़ चला है।

सच तो यह है कि अब कोई भी सैलानी जो रायपुर बिलासपुर जा रहा है वह बस्तर की तरफ भी सैर सपाटे के लिए रूख कर सकता है। बस्तर के जोनल आईजी सुदंरराज पी तथा बस्तर एसपी शलभ कुमार सिन्हा कहते हैं , बस्तर का इलाका दुर्गम भले ही हो पर इसकी खूबसूरती और दिलकश नजारे मध्यभारत में शायद ही कहीं और देखने को मिलेंगे। घने जंगल से लेकर धरती के भीतर छुपी प्रचुर खनिज संपदा है। इसमें लौह अयस्क , सोने और हीरे जैसे दुर्लभ खनिज का भंडार है। तीर्थाटन के लिहाज से डोंगरगढ़ की मां बम्बलेश्वरी देवी, जगदलपुर में दंतेश्वरी देवी और बिलासपुर के पास रतनपुर माता का मंदिर है।

नई उपज से कमाई के नए अवसर

सभी जानते हैं कि नारियल की खेती भारत के पश्चिमी समुद्री तटों ले लेकर सुदूरवर्ती दक्षिणी और पूर्वी तटों के कुछ हिस्सों में होती है। दक्षिण में गोवा और लक्षव्दीप से अंडमान निकोबार तक होने वाली इस पौष्टिक तत्वों से भरपूर उपज की गर्मियों और बारिश के बीच खासी खपत होती है। नारियल पानी में पोटेशियम और सोडियम जैसे बेहद आवश्यक तत्व हैं तो इसके गूदे में शाकाहारियों के लिए बिरले प्रोटीन, ओमेगा-3 और विाटमिन बी की भरमार है। लाभकारी कोलेस्ट्राल भी है। लेकिन क्या कोई कल्पना कर सकता है कि मूलतः उष्टणकटिबंधीय इलाकों में समुद्री तटों के आसापास होने वाले नारियल की खेती बस्तर जैसे इलाके में मुमकिन है? भारत सरकार के केंद्रीय नारियल विकास बोर्ड ने यह कर दिखाया है। यह उन तमाम किसानों के लिए पारंपरिक खेती ,सल्फी और ताड़ी निर्माण के साथ रोजगार का एक बेहतर अवसर मुहैया कराता है। रायपुर से जगदलपुर के रास्ते पर मौजूद कोंडागांव में नारियल बोर्ड ने करीब सौ एकड़ हिस्से में नारियल के पेड़ों का बड़ा झुंड खड़ा करके यह बता दिया है कि ट्रपिकल क्लाइमेट इलाकों की यह उपज बस्तर में भी संभव है। इस केंद्र के प्रभारी उड़ीसा मूल के संकेत के पोंडा ने दोपहर मेट्रो को बताया कि कोंडागांव के इस रकबे में देश के सभी हिस्सों में पाई जाने वाली नारियल की प्रजातियों के वृक्ष मौजूद हैं। यही नहीं नारियल बोर्ड ने जो कम वक्त में पनपने वाली प्रजातियां विकसित की हैं, उनकी बानगी भी यहां देखने को मिलती है। किसानों को इस खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

कांगेर नेशनल पार्क, कुटुम्बसर की गुफा और वाटरफाल

बस्तर के रास्ते कुटुम्बसर के कांगेर नेशनल पार्क में अब सैलानियों की आवाजही बढ़ी है। इसी के भीतर मौजूद है, कुटुम्सर गुफा। ग्रंथों में इसका उल्लेख दंडकारण्य के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता है। नेशनल पार्क से लगभग 6 किमी अंदर यह गुफा है। गुफा 72 फीट नीचे है। संकरे रास्ते से नीचे उतरो तो 350 फीट चौड़ी गुफा में अंधी मछलियां और अन्य जीव जंतु भी पाए जाते है। चूना पत्थर से बनी गुफा और स्टेलगमैट्स से निर्मित आकृति इसकी प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगाती है। गुफा में इको ध्वनि गूंजती रहती है। अंधेरी गुफा को देखने साल भर सैलानियों का मेला लगा रहता है। आदिवासी महिलाएं अपने देशी उत्पाद भी बेचती हैं जिनमें लाल चींटों की चटनी मशहूर है। चित्रकोट और तीरथगढ़ के जल प्रपात तो पहले से ही मशहूर हैं। यह दोनों जगदलपुर दो मुहाने पर हैं। एक जगदलपुर से रायपुर की तरफ तो दूसरा नेशनल पार्क के दूसरे सिरे पर । यहां के दिलकश नजारे मनमोहक हैं। ***(फीडबैक और सलाह के लिए संपर्क सूत्र, मोबाइल नंबर- 7000926381 ईमेल-(rsirothia8@gmail.com)***

न्यूज विंडो

रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर के पास मिली 100 करोड़ की संपत्ति

लखनऊ। वाणिज्य कर विभाग के सेवानिवृत्त एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है। विजिलेंस जांच में उनके पास 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा हुआ है। इसके बाद विजिलेंस के कानपुर सेक्टर में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। केस की विवेचना राजपत्रित अधिकारी को दी गई है। मूल रूप से चंदौली जिले के बम्हनियांव गांव के रहने वाले केशव लाल वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-34 में रहते हैं। 2017 में जब उनकी तैनाती कानपुर में थी, तब 19 अप्रैल को आयकर विभाग ने उनके आवास पर छापा मारा था। उस दौरान करीब 10 करोड़ रुपये नकद और 3 करोड़ रुपये की ज्वैलरी बरामद हुई थी। नोएडा स्थित घर के गद्दों, पूजा रूम और अलमारी से नोटों की गड्डियां मिली थी। यही नहीं बाथरूम के बंद पड़े फ्लश और बैडरूम से भी नोटों की गड्डियां मिली थीं। जांच के दौरान वह इसका ब्योरा नहीं दे सके। इसके बाद मई 2017 में उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई थी और मामले की जांच विजिलेंस को सौंप दी गई थी।

कनाडा में छात्रों की जांच नियम सख्त, भारतीय छात्र भी लपेटे में

टोरंटो। कनाडा ने अपने एक नये फरमान से अंतरराष्ट्रीय छात्रों की मुसीबत बढ़ा दी है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों की जांच नियम को काफी सख्त कर दिया है। इसके लिए उन्हें अपने दस्तावेज जमा करने के लिए 21 दिन की डेडलाइन तय कर दी है। कनाडा के इस फरमान से विभिन्न देशों के छात्रों में हड़कंप मच गया है। इसमें सैकड़ों भारतीय छात्र भी शामिल हैं, जो कनाडा के इमिग्रेशन विभाग के इस नए आदेश के लपेटे में हैं।

कनाडा भेज रहा छात्रों को नोटिस: कनाडा भारत समेत अन्य देशों के अंतरराष्ट्रीय छात्रों को नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। इसमें छात्रों से उनके स्टडी परमिट नियमों का पालन करने की पुष्टि करने के लिए दस्तावेज मांगे गए हैं। यह कार्रवाई देश के ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट के बाद की गई है, जिसमें इंटरनेशनल स्टूडेंट प्रोग्राम की विश्वसनीयता पर गंभीर चिंता जताई गई थी। पिछले कुछ हफ्तों में कई भारतीय छात्रों को भी ऐसे नोटिस मिले हैं। इससे छात्रों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

बदमाशों का तांडव, बस पर हमला कर की हवाई फायरिंग, 4 घायल

भवारना (कांगड़ा)। हिमाचल के कांगड़ा जिले में बुधवार रात को एक वॉल्वो बस पर थार से आए बदमाशों ने हमला बोल दिया। इस दौरान आरोपियों ने हवाई फायरिंग भी की। इस हमले में बस कंडक्टर और ड्राइवर समेत लगभग चार लोग घायल हुए हैं। दरअसल, हिमाचल के कांगड़ा जिले के भवारना थाना के तहत थुरल के नजदीक बैरघट्टा में रात वॉल्वो बस के पास न देने को लेकर बात खूनी झड़प में बदल गई और महिंद्रा थार में सवार युवकों ने न केवल चाकू से वार कर चार लोगों को घायल कर दिया बल्कि हवा में गोलियां भी चलाई। हालांकि, पुलिस ने इस पर कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, इस वारदात के बाद से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक बुधवार देर रात्रि बीड़ से दिल्ली जा रही एक निजी वॉल्वो बस को रास्ता न देने के विवाद में महिंद्रा थार सवार बदमाशों ने बस के चालक-परिचालक समेत एक अन्य बस के कर्मी सहित चार लोगों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने इस दौरान दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग भी की। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए पंजाब के रहने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, वॉल्वो बस के स्टाफ के साथ थार सवारों का विवाद ओवरटेक करने को लेकर हुआ। गुस्साए बदमाशों ने बस को रुकवाया और हथियारों के साथ हमला बोल दिया।

पुडुचेरी सीएम बाइक से वोट डालने पहुंचे: हिमंता ने कामाख्या मंदिर में पूजा की

तीनों ही राज्यों में शांति से मतदान जारी वोटों देने के लिए लगी लंबी-लंबी कतारें

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, एजेंसी

देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हो रहा है। सुबह 12 बजे तक असम में 38.92%, केरलम में 33.28% और पुडुचेरी में 37.06 % मतदान हुआ है।

तीनों ही राज्यों में शांति से मतदान जारी है। पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने भी सुबह-सुबह मतदान किया। असम के सीएम हिमंता ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की है।

पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर ए.के. एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा- केरलम के लोग भाजपा को पसंद नहीं करते। राज्य में 10 साल के कुशासन की सरकार है। इसलिए इस बार सरकार बदलेगी।

असम में 126 सीट पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। पुडुचेरी में 20 पार्टियां के 294 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। तीनों राज्यों में करीब 10 लाख से ज्यादा वोटर्स पहली बार मतदान करेंगे।

केरलम में 70 साल में पहली बार कोई सीएम हैट्रिक के लिए चुनाव लड़ रहा है। असम में बीजेपी हिमंता बिस्व सरमा के सहारे लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दांव खेल रही है। जबकि पुडुचेरी में कांग्रेस से निकले एन. रंगास्वामी पांचवी बार सत्ता में काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं।

पुडुचेरी में मतदान केंद्र पर रोबोट ने मतदाताओं का फूलों से स्वागत किया।

शुभेंदु अधिकारी का बड़ा दावा

भाजपा हल्दिया की सभी 16 विधानसभा सीटें जीतेगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में जोश और आत्मविश्वास दिखाई दे रहा है। हल्दिया में आयोजित जनसभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आश्वस्त करते हुए दावा किया कि इस साल भाजपा हल्दिया के सभी 16 विधानसभा सीटें जीतकर जीत का परचम लहराएगी।

जनसभा में शुभेंदु अधिकारी ने कहा 'मैं पीएम मोदी को यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि इस जिले में भाजपा पहले से ही 15 में 16 सीटों पर जीत रही थी। इस साल कमल का फूल सभी 16 सीटों पर खिलेगा।' इस दावे के साथ भाजपा ने हल्दिया जिले में अपनी ताकत और लोकप्रियता को लेकर स्पष्ट संदेश दिया कि पार्टी इस विधानसभा चुनाव में पूरी तरह तैयार है।

टीएमसी पर जमकर हमला बोला: शुभेंदु अधिकारी की रैली में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बड़ी भीड़ ने उत्साह और जोश के साथ उनके समर्थन में नारे लगाए। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभा में टीएमसी पर जमकर हमला बोला।

श्रमिकों ने फूंकी पुलिस की बाइक

गुरुग्राम में वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

मानेसर (गुरुग्राम)। न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की मांग को लेकर आइएमटी मानेसर औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक-प्रबंधन बृहस्पतिवार को और गहरा गया। प्रदेश सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन को मजाक बताते हुए श्रमिकों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। माहौल को शांत करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया लेकिन श्रमिक पीछे नहीं हटे। इसी बीच कुछ शरारतियों ने पुलिस की बाइक को आग के हवाले कर दिया। वहीं, एक प्लांट पर पत्थरबाजी कर दी गई। क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 लागू करने आदेश जारी किया गया है।

रिचा ग्लोबल प्लांट के गेट पर हंगामा: प्राप्त जानकारी के अनुसार, आईएमटी मानेसर के सेक्टर चार स्थित रिचा ग्लोबल प्लांट में हड़ताल कर रहे सैकड़ों कर्मचारियों को पुलिस ने गेट बंद कर घेर लिया है। वहीं, बड़ी संख्या में बाहर मौजूद कर्मचारियों ने कुर्सी और बेंच में भी आग लगाकर अपना विरोध जताया है। मानेसर दमकल विभाग ने बताया कि आग की सूचना मिली है। ऐहतियातन वहां पर दमकल की टीम मौके पर मौजूद है।

क्षेत्र में लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी लगी

इसे देखते हुए पूरे इलाके में हजारों पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट व उपायुक्त अजय कुमार ने आइएमटी मानेसर व आसपास के क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 लागू करने आदेश जारी किए हैं।

बिहार में सीएम को लेकर सस्पेंस जारी

बीजेपी अध्यक्ष नबीन बोले- सब तय कार्यक्रम के अनुसार

पटना। बिहार में नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इस सवाल को लेकर सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे और नई सरकार के गठन को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। इस बीच नितिन नवीन ने बड़ा बयान देकर स्थिति को स्पष्ट करने की कोशिश की है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर किसी भी तरह का मतभेद नहीं है और सभी फैसले तय कार्यक्रम के अनुसार ही लिए जा रहे हैं। नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य की शपथ ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने हमेशा 'गठबंधन धर्म' का पालन किया है, जिसके चलते सहयोगी दलों का भरोसा आज भी कायम है। नितिन नवीन के अनुसार, सभी अहम फैसले अभी भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लिए जा रहे हैं।

वैवाहिक महाभारत युद्ध का अंत: सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की 10 साल पुरानी शादी

पत्नी पर किए 80 केस एक साथ खत्म अब वकील पति को देने होंगे पांच करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अलग रह रहे पति-पत्नी के बीच लगभग 10 साल से जारी विवाद को 'वैवाहिक महाभारत' करार दिया और इस कड़वी कानूनी लड़ाई को 'पूर्ण विराम' देते हुए दोनों की शादी रद्द कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह शादी 'व्यावहारिक रूप से दम तोड़ चुकी थी' और संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दोनों के वैवाहिक रिश्ते को समाप्त कर दिया।

बेंच ने पेशे से वकील पति की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने अपनी कानूनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल अपनी पत्नी, उसके परिवार और यहां तक कि उसके वकील के खिलाफ 'प्रतिशोधी एवं परेशान करने वाले' अभियान के तहत 80 से अधिक मामले दर्ज कराने के लिए किया।

एक बार में या चार किस्तों में देनी होगी राशि

सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिवादी पति को याचिकाकर्ता पत्नी और उसके बच्चों को गुजारे के लिए 5 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। वादी पति को यह राशि एक साल के भीतर एक बार में या चार किस्तों में देनी होगी। इसके साथ कोर्ट ने सभी दीवानी, आपराधिक और FIR सहित सभी 80 लंबित मामलों को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया। दोनों बेटों की पूरी कस्टडी पत्नी को दी गई है, हालांकि पति को बच्चों से मिलने का अधिकार सुरक्षित रखा गया है।

पति ने अनगिनत शिकायतें दर्ज कर कार्यवाही को जटिल बनाने की कोशिश की: बेंच ने अपने आदेश में कहा कि अलग रह रहे पति-पत्नी 'लंबे समय से जारी कड़वी वैवाहिक लड़ाई में उलझे हुए थे, जिसके चलते विभिन्न अदालतों में कई मुकदमे दायर किए गए थे।' आदेश में कहा गया है, 'हम इस बात का भी संज्ञान लेते हैं कि प्रतिवादी पति ने हर लेवल पर, न केवल याचिकाकर्ता पत्नी और उसके रिश्तेदारों, बल्कि उसके वकीलों के खिलाफ भी अनगिनत आवेदन और शिकायतें दर्ज कराके कार्यवाही को खींचने और जटिल बनाने की कोशिश की।

मेट्रो एंकर

महिला आरक्षण पर प्रधानमंत्री ने ब्लॉग के माध्यम से देशवासियों को दिया संदेश

भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला आरक्षण पर संदेश देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं।

इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564